राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 26 नवंबर 2024 वर्ष-7,अंक-300 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

राजस्थान में जयपुर समेत कई इलाकों में बढ़ा तापमान

सुबह-शाम पड़ रही तेज ठंड

रविवार को सबसे ज्यादा सर्दी हिल स्टेशन माउंट आबू में रही, जहां का न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस था। इसके बाद फतेहपुर में 8.5 डिग्री सेल्सियस, जालौर में 9.8, सीकर, उदयपुर, करौली में 10-10 डिग्री सेल्सियस, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ में 10.4 डिग्री, चूरू में 11.2, अलवर में 10.8 और बाड़मेर में 14.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

जयपुर।

राजस्थान में तापमान बढ़ने लगा है। जयपुर, उदयपुर, अजमेर, कोटा के अलावा शेखावाटी बेल्ट में भी दिन और रात का तापमान में बढ़ोतरी हुई है। सीकर में जहां एक सप्ताह से मिनिमम तापमान सिंगल डिजिट नीचे दर्ज हो रहा था, वहां भी अब तापमान 10 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है। बीकानेर, धौलपुर, चूरू में दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। जयपुर में सुबह और शाम तेज ठंड पड़ने लगी है।

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने अगले तीन-चार दिन राजस्थान में इस तरह का मौसम रहने और तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव होने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे ज्यादा तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज किया गया। जैसलमेर-जालोर में 31.2, जोधपुर में 31, अजमेर, पिलानी, चित्तौड़गढ़, चूरू, बीकानेर, धौलपुर में रविवार को अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच था। जयपुर में पिछले दो दिन से लगातार दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। इसके कारण यहां दिन में मौसम सामान्य रहता है। लोगों को दिन में गर्म कपड़ों की जरूरत महसूस नहीं हो रही है। वहीं, सुबह-शाम तेज सर्दी है। सूरज ढलने के साथ ही सर्द हवाएं चल रही हैं।

प्रदेश में रविवार को सबसे ज्यादा सर्दी हिल स्टेशन माउंट आबू में रही, जहां का न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस था। इसके बाद फतेहपुर में 8.5 डिग्री सेल्सियस, जालौर में 9.8, सीकर, उदयपुर, करौली में 10-10 डिग्री सेल्सियस, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ में 10.4 डिग्री, चूरू में 11.2, अलवर में 10.8 और बाड़मेर में 14.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। जयपुर मौसम केन्द्र ने राज्य के लिए जारी फोरकास्ट में अगले 3-4 दिन प्रदेश में मौसम साफ रहने, दिन में तेज धूप रहने और सुबह-शाम तेज सर्दी रहने की संभावना जताई है। उत्तरी राजस्थान में भी आसमान साफ रहने की संभावना है। हालांकि 27-28 नंवबर के आसपास उत्तरी राजस्थान के गंगानगर, हनुमानगढ़ के एरिया में

दिल्ली में चुनाव से पहले केजरीवाल का पेंशन कार्ड, 8,50,000 वृद्धों को पेंशन मिलेगी

नई दिल्ली। दिल्ली की आप सरकार शहर के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर दी है। इसकी जानकारी खुद आप प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने दी। उन्होंने कहा कि अब 80 हजार नए पेंशनभोगियों को पेंशन मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कुल 8,50,000 वृद्धों को पेंशन मिलेगी। केजरीवाल ने कहा कि 60 से 69 साल के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 2,000 रुपये प्रति माह और 70 से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को 2500 रुपये प्रति माह दिए जा रहे हैं। दिल्ली के पूर्व सीएम ने कहा कि कैबिनेट ने प्रस्ताव को पास कर दिया है और आदेश लागू भी हो गया है। केजरीवाल के मुताबिक, 10,000 से ज्यादा नए आवेदन मिले हैं। केजरीवाल ने केंद्र पर पक्षपात का आरोप लगाकर कहा कि जहां डबल इंजन की सरकार है, वहां बुजुर्गों को कम पेंशन मिलती है। उन्होंने कहा कि अगर दिल्ली में सिंगल इंजन की सरकार है तो रिटायर कर्मचारियों को 2500 रुपये पेंशन दी जाती है। इसलिए डबल इंजन की सरकार नहीं बल्कि सिंगल इंजन की सरकार चुनें। उन्होंने कहा, जब मैं जेल गया तब वृद्धावस्था पेंशन बंद कर दी गई। यह पाप है। जेल से बाहर आने के बाद पेंशन फिर से शुरू हो गई है।

गूगल मैप के सहारे अधूरे फ्लाईओवर पर दौड़ा दी कार, नदी में गिरने से तीन लोगों की मौत

बरेली । वर्तमान में यहां फिर कभी भी तकनीक पर विश्वास करना ठीक है, लेकिन अति विश्वास करना ठीक नहीं हैं। इसी अति विश्वास का शिकार बेरली में तीन लोग हो गए। दरअसल बरेली जिले में दुखद घटना घटी, जहां एक अधूरे फ्लाईओवर से एक कार गहरी खाई में गिर गई, इसमें तीन लोगों की मौत हुई। यह घटना शनिवार को हुई, जब दो व्यक्ति, विवेक और अमित और अन्य, गुरुग्राम से शादी के लिए बरेली जा रहे थे। वे दिशा-निर्देशों के लिए गूगल मैप्स का उपयोग कर रहे थे, जो अधूरे फ्लाईओवर से होकर दूरी तक पहुँचने का सबसे तेज मार्ग दिखा रहा था। पुलिस ने बताया कि बरेली जिले में तीन लोगों की मौत हुई, जब गूगल मैप पर उनकी कार गलत तरीके से निर्माणाधीन पुल पर ले गई और कार नदी में गिर गई। पीड़ितों में से दो की पहचान विवेक और अमित के रूप में हुई, जिन्होंने गुरुग्राम से अपनी यात्रा शुरू की और एक शादी में शामिल होने के लिए बरेली जा रहे थे। वे लोग समारोह स्थल तक पहुँचने के लिए गूगल मैप्स पर निर्भर थे, तभी उनका जीपीएस उन्हें अधूरे फ्लाईओवर पर ले गया। लोगों ने अगली सुबह क्षतिग्रस्त कार और तीनों लोगों को मृत पाया। उन्होंने पुलिस को सूचित किया, जो घटनास्थल पर पहुँची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले गई। पुलिस ने बताया, आज सुबह 9:30 बजे रामगंगा नदी पर एक क्षतिग्रस्त कार मिली। पुलिस को सूचना दी गई और वह मौके पर पहुंची। र अधूरे पुल पर जा गिरी और वहां से नदी में गिर गई।

11 साल के बच्चे की हार्ट अटैक से मौत, परिवार में शोक

राजकोट . आए दिन हार्ट अटैक से मौतों की घटनाएं सामने आ रही हैं। कई परिवारों ने दिल के दौरे में अपने परिजनों को खो दिया है। राजकोट में 11 साल के एक बच्चे की भी दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई. बच्चे के अचानक गिर जाने के बाद परिजनों द्वारा बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया. जानकारी के मुताबिक राजकोट शहर के गोंडल रोड के पास विजय प्लॉट में रहने वाला 11 साल का देवराज कनकभाई करेलिया सुबह अपने घर के बाहर अन्य बच्चों के साथ बैठा था. उस वक्त अचानक देवराज जमीन पर गिर पड़ा. इसके बाद देवराज के पिता ने हार्ट पंपिंग भी की और बाद में उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। लेकिन अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने देवराज को मृत घोषित कर दिया. जानकारी के मुताबिक कनकभाई करेलिया के दो बेटे हैं। जिसमें देवराज बड़ा था और छठवीं कक्षा का छात्र था. अस्पताल में डॉक्टर ने बताया कि देवराज की मौत हार्ट अटैक से हुई है.

अडानी मामले पर चर्चा कराने की मांग को लेकर राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा

खड़गे ने रखी अपनी बात तो सभापति ने किए सभी नोटिस अस्वीकार

नई दिल्ली।

सोमवार से शुरु हुए संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा की बैठक शुरु होने पर सदन ने दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि नियम 267 के तहत उन्हें कुल 13 नोटिस मिले हैं। इसके बाद

अडाणी समूह के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों के रिश्वतखोरी के आरोपों के मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा कर दिया जिसके चलते सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के जॉन ब्रिटास, कांग्रेस के नीरज डांगी, प्रमोद तिवारी और अखिलेश प्रसाद सिंह और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह समेत अन्य सदस्यों ने अडाणी समूह के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों के रिश्वतखोरी के आरोपों पर संसद में चर्चा की मांग को लेकर नोटिस दिए थे। आप के राघव चड्ढा समेत विपक्ष के कुछ अन्य सदस्यों ने मणिपुर हिंसा और यूपी के संभल में हुई हिंसा के मुद्दे पर नोटिस दिए थे। सभापति धनखड़ ने इन सभी नोटिस को अस्वीकार कर दिया और खड़गे को अपनी बात रखने का मौका दिया। खड़गे ने कहा कि अडाणी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर है। उन्होंने कहा कि यदि सूचीबद्ध कामकाज को निलंबित कर दिया जाता है तो विपक्षी सदस्य बता सकते हैं कि यह बहुत ही अहम मुद्दा है जो पूरे देश को कैसे प्रभावित कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वैश्विक स्तर पर देश की छवि खराब हुई और फिर भी पीएम मोदी अडाणी का समर्थन कर रहे हैं।

हालांकि इससे पहले खड़गे कुछ और बोल पाते, सभापति ने कहा कि वह इस मुद्दे पर उनके नोटिस को अस्वीकार कर चुके हैं इसलिए वह इसे नहीं उठा सकते हैं। इसके बाद कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों के सदस्य खड़े हो गए और आसन से खड़गे को बोलने देने की मांग करते रहे। सभापति ने सदस्यों से सदन के सुचारू संचालन की अपील की। हालांकि जब हंगामा जारी रहा तो उन्होंने 11.30 बजे सदन की कार्यवाही 11.45 मिनट तक के लिए स्थगित कर दी। सदन की बैठक दोबारा शुरु होने पर सभापति ने सदस्यों से सदन को सुचारू रूप से चलने देने का आग्रह किया। कुछ देर बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी।

विपक्षी दलों ने मांग की है कि गौतम अडाणी को गिरफ्तार किया जाए और उनके खिलाफ जांच शुरू की जाए। विपक्ष ने अडाणी समूह के खिलाफ आरोपों पर चर्चा के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति के गठन की मांग की है। अडाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया है।

झारखंड में जनता ने बीजेपी को विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया

-पूर्व सीएम चंपई सोरेन बोले-आज मैं अकेला हूं कल सौ बनाऊंगा

राजनगर। सरायकेला विधानसभा क्षेत्र से सातवीं बार जीत हासिल करने पर झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन ने जनता का आभार माना है। चंपई ने कहा राज्य की जनता ने बीजेपी को विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया है। हम जनता के जनादेश का सम्मान करते हैं और राज्य की जनता को बधाई देते हैं। सरायकेला विधानसभा सीट से चंपई सोरेन ने झामुमो प्रत्याशी गणेश महली को हराया। चंपई को कुल 119379 वोट मिले, वहीं गणेश महली 98932 वोटों हासिल हुए। सरायकेला सीट से जीत दर्ज करने के साथ ही चंपई ने नलिन सोरेन के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है। वो लगातार 7वीं बार चुनाव जीतने वाले विधायक बन गए हैं। चंपई साल 1995 से लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। पूर्व सीएम चंपई सोरेन ने अपने बेटे बाबूलाल सोरेन व सोनाराम बोदरा को चुनाव न जीतने पर अफसोस जाहिर किया। इस दौरान चंपई ने कहा कि आज मैं अकेला हूं कल सौ बनाऊंगा। उन्होंने जयराम की पार्टी जेएलकेएम से बीजेपी को नुकसान की बात भी स्वीकारी। उन्होंने कहा कि राज्य में बीजेपी के 22 प्रत्याशी जेएलकेएम की वजह से हारे। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठिए के मुद्दे को राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक मुद्दा बताया है। चंपई ने कहा कि संताल परगना ही नहीं धीरे-धीरे पूरे राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठए आदिवासी एवं मूलवासियों की जमीन और अस्मिता लूट रहे हैं। उनकी आबादी हर जगह बढ़ रही है। इस चुनाव में राज्य की जनता भले नहीं समझ पाई, लेकिन मैं बांग्लादेशी घुसपैठियों से आदिवासी मूलवासी की जमीन और अस्मिता की रक्षा के लिए अगले पांच साल तक संघर्ष करता रहूंगा।

मैंने सोचा बोला, इसलिए केजरीवाल की ट्रोल आर्मी मेरे पीछे पड़ गई

नई दिल्ली ।

आप सांसद स्वाति मालीवाल ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री आतिशी पर निशाना साधकर उन पर झूठ बोलने का आरोप लगाकर कहा कि आप प्रेसवार्ता करते हैं और झूठ बोलते हैं कि आपने पूरी दिल्ली को साफ किया है। ये तल्ख टिप्पणी उनके दिल्ली के बुराड़ी विधानसभा क्षेत्र के दौरे के बाद आई है। स्वाती ने पोस्ट किया कि बुराड़ी में सड़कों की हालत खराब है, गलियों में बदबूदार पानी भरा हुआ है और जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के बुराड़ी की हालत नरक से भी बदतर हो चुकी है।

दरअसल स्वाती ने लिखा कि कल से दिल्ली के मंत्री झूठ फैला रहे है कि मुझपे भ्रष्टाचार की एफआईआर हुई है इसलिए बीजेपी के इशारे पर मैंने ये सब किया। उन्होंने कहा कि ये एफआईआर 8 साल पहले 2016 में हो चुकी थी जिसके बाद मुझे सीएम और एलजी दोनों ने दो बार और महिला आयोग की अध्यक्ष नियुक्त किया। केस पूरी तरह फर्जी है जिस पर 1.5 साल से माननीय हाईकोर्ट ने रोक लगा रखी है, जिन्होंने माना है कि पैसे का कोई लेन देन नहीं हुआ है।

स्वाती ने पोस्ट कर लिखा कि पूरी ट्रोल आर्मी मुझपे लगा दी गई सिर्फ इसलिए क्योंकि मैंने सच बोला। पार्टी के सभी लोगों को फोन करके बोला जा रहा है स्वाति की कोई पर्सनल वीडियो है, भेजो, लीक करनी है। मेरे रिश्तेदारों की गाड़ियों के नंबर से उनकी जानकारी ट्वीट करवाकर उनकी जान खतरे में डाल रहे हैं। खैर, झूठ ज़्यादा देर तक टिक नहीं पाता है।

पर सत्ता के नशे में किसी को नीचा दिखाने के जुनून में ऐसा न हो जाए की जब सच सामने आए तब अपने परिवारों से भी नजरे न मिला पाओ। तुम्हारे हर फैलाए झूठ के लिए तुम्हें कोर्ट लेके जाऊँगी!

ना कटना ना बंटना, घर में जितने सदस्य उतने हथियार रखना

-काशी में पं. प्रदीप मिश्रा ने शिव महापुराण कथा में लोगों से कहा

वाराणसी।

काशी में पं. प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा चल रही है। यहां कथा सुनने करीब तीन लाख लोग सुनने जा रहे हैं। पं. प्रदीप मिश्रा ने यूपी के सीएम योगी के बंटोगे तो कटोगे वाले नारे का समर्थन करते हुए कहा कि बंटना भी मत-कटना भी मत। राष्ट्र रक्षा के लिए घर में जितने सदस्य, उतने शस्त्र भी होने चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र रक्षा के लिए माला और भाला दोनों जरूरी है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद पर कहा- जो सनातन का है, वो उसको ही मिलना चाहिए। हिंदू यात्रा को विभाजन की राजनीति बताने पर प्रदीप ने कहा कि सभी सनातनियों को एक होना ही चाहिए। यूपी में लगातार बढ़ रहे धार्मिक टूरिज्म पर कहा कि अब लोग गोवा और मुंबई घूमने नहीं जाते, मंदिर और तीर्थ जाते हैं। कम उम्र के लड़के टैटू में डिजाइन नहीं, श्लोक और मंत्र लिखवा रहे हैं। यही सनातन का बदलाव है। वहीं उन्होंने कहा कि मैं देश के लोगों से कहना चाहूंगा कि धर्म और राष्ट्र रक्षा के लिए जब माला और भाला की जरूरत हो, तो दोनों उठाने पड़ते हैं। जैसा कि हमारे योगीजी ने कहा कि बंटोगे तो कटोगे। इसलिए निवेदन है कि बंटना भी मत और कटना भी मत। निवेदन है कि राष्ट्र रक्षा के लिए और सनातन की रक्षा के लिए घर में जितने सदस्य हैं, उतने शस्त्र होने जरुरी है। वहीं, देर रात जब कथा खत्म हुई तो वहां अफरातफरी मच गई। पुलिस फोर्स ने लोगों को संभाला।

भारत ने हमेशा एकता और अखंडता के गहरे सत्य पर विचार किया : मोहन भागवत

हैदराबाद ।

जहां दुनिया अपनी मंजिल पर विचार किए बिना आगे बढ़ रही है, वहीं भारत ने हमेशा एकता और अखंडता के गहरे सत्य पर विचार किया है। यह बात राष्ट्रीय स्वंय सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने लोकमंथन भाग्यनगर 2024 में कही। संघ प्रमुख ने भारत की धर्म और जीवन के निर्माण की शाश्वत अवधारणाओं पर अपने विचार रखे। भागवत ने कहा, हमारे पूर्वज अस्तित्व की एकता की सच्चाई जानते थे, वे जानते थे कि यही सब कुछ है, इसलिए विविधता है। यह कुछ समय तक चलती है, फिर केवल एकता रहती है। एकता शाश्वत है और विविधता में भी एकता है, अगर हम इस तलाशने की कोशिश करें। उन्होंने कहा, उन लोगों को जवाब देने की कोई आवश्यकता नहीं है जिनके प्रयोग पिछले 2,000 वर्षों में विफल रहे हैं। आरएसएस प्रमुख भागवत ने लोकमंथन पहल को ग्रामीण भारत तक ले जाने का आह्वान कर गांवों में छोटी-छोटी सभाएं आयोजित कर जमीनी स्तर के लोगों को जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा, हमारे मन की आवाज कहती है कि इस दुनिया में हम किसी के दुश्मन नहीं हैं और कोई हमारा दुश्मन नहीं है। हालांकि यह ठीक है कि कोई आक्रामक है, अगर कोई हम पर हमला करता है या हमें नुकसान पहुंचाता है, तब हम बर्दाश्त नहीं करने वाले हैं, लेकिन हम उसका जवाब भी देने वाले हैं, लेकिन हम किसी से लड़ाई नहीं करते हैं।

भागवत ने पौराणिक प्रतीकों से तुलना करते हुए कहा, जैसे समुद्र मंथन के दौरान हलाहल निकला था, वैसे ही चुनौतियां आएगी। लेकिन हम उन्हें झेलने और सभी के कल्याण के लिए अमृत परोसने के लिए तैयार हैं। हैदराबार में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी भी शामिल हुए। आरएसएस हैदराबाद का नाम बदलकर भाग्यनगर करने की मांग कर रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री भी कई मौकों पर भाग्यनगर नाम की वकालत कर चुके हैं।

शीतकालीन सत्र को लेकर हुई खड़गे की अध्यक्षता में इंडिया ब्लॉक की बैठक

नई दिल्ली । संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले सोमवार को संसद भवन परिसर में इंडिया गठबंधन के सदन के नेताओं की बैठक राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में गठबंधन की करीब सभी दलों के नेताओं ने हिस्सा लेकर संसद के दोनों सदनों में गठबंधन की रणनीति को लेकर चर्चा की। बैठक में जालंधर मुद्दों पर मोदी सरकार से चर्चा करने की मांग पर बल दिया गया। श्री खड़गे के कार्यालय में इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक में लोकसभा में द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के टी एस बालू, आरएसपी के प्रेमचंद्रन कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल, प्रमोद तिवारी सहित कई नेता मौजूद थे। बैठक में द्रमुक के त्रुची शिवा, कनिमोझी, सौगात राय तृणमूल, आम आदमी पार्टी (आप) के राघव चड्ढा और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के जॉन ब्रिटास भी मौजूद थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विश्व में भारत की साख बढ़ाने की मोदी प्रतिबद्धता

भारत के लिये सौभाग्य की बात है कि नरेन्द्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। वैसे तो दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन इसी सप्ताह उनकी डोमिनिका, गुयाना और नाइजीरिया यात्रा के दौरान उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान मिले हैं, वह हर भारतीय को अभिभूत एवं गौरवान्वित कर देने वाले हैं। ये सम्मान उनके व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिबिम्ब है जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साख को मजबूत किया है। ये सम्मान दुनिया भर के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी दर्शाता है।

(लेखक- -ललित गर्ग)

दुनिया में भारत एवं भारतीय लोकतंत्र का गौरव एवं सम्मान दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विश्व नेता बनकर उभरे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका रुतबा लगातार बढ़ा है। विदेशी धरती से मिलने वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की एक लम्बी श्रृंखला इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की छवि वैश्विक स्तर पर सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित हुई है और उनकी सोच, नीतियों एवं कार्यक्रमों को विश्व स्तर पर मान्यता मिल रही है। यह भारत के लिये गर्व की बात है। इसी श्रृंखला में अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को डोमिनिका और गुयाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान और नाइजीरिया का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान मिला है। प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में ब्राजील में जी 20 समिट की बैठक के लिए पहुंचे थे और इसके बाद 3 कैरेबियन देशों की यात्रा पर है। कोरोना काल में मानवीय दृष्टि से मदद का हाथ बढ़ाने के लिए डोमिनिका ने प्रधानमंत्री मोदी को 'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' और गुयाना ने 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से नवाजा।

भारत के लिये सौभाग्य की बात है कि नरेन्द्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। वैसे तो दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन इसी सप्ताह उनकी डोमिनिका, गुयाना और नाइजीरिया यात्रा के दौरान उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान मिले हैं, वह हर भारतीय को अभिभूत एवं गौरवान्वित कर देने वाले हैं। ये सम्मान उनके व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिबिम्ब है जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साख को मजबूत किया है। ये सम्मान दुनिया भर के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस कुशलता, परिपक्वता एवं दूरदर्शिता से देश का समग्र विकास करते हुए दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर किया, इससे पूरा देश तो आत्मविश्वास से भर ही उठा बल्कि पूरी दुनिया में भारत को लेकर सकारात्मकता, उम्मीदें और भरोसा बढ़ा है।

अब तक विदेशों में कुल 19 बार प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें महाशक्ति कहे जाने वाले देश रूस और अमेरिका के अलावा मालदीव, फिलीस्तीन, इजिप्ट, बहरीन और युएई जैसे मुस्लिम राष्ट्र भी शामिल हैं। इसके साथ ही सबसे ज्यादा बार विदेशी संसद को संबोधित करने का रिकॉर्ड भी मोदी के नाम ही है। मोदी आश्चर्यों की वर्णमाला से गूंथित ऐसा व्यक्तित्व है जिसने अपने हर कीर्तिमान से भारत का मस्तक ऊंचा किया है। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के पार्लियामेंट को भी प्रधानमंत्री मोदी संबोधित कर चुके हैं। मोदी ने 14 बार विदेशी संसद में वहां के सांसदों को संबोधित किया। अमेरिका में मोदी ने दो बार संसद को संबोधित किया है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फिजी, मॉरिशस, युगांडा, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मंगोलिया, अफगानिस्तान और मालदीव की संसद को भी प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने 7 बार, इंदिरा गांधी ने 4 बार, जवाहरलाल नेहरू ने 3 बार, जबकि मोरारजी देसाई और पीवी नरसिम्हा राव ने 1-1 बार विदेशी संसदों में संबोधन दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब पापुआ न्यू गिनी पहुंचे थे तो सारे शासकीय प्रोटोकाल को तोड़ कर उस देश के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने न केवल मोदी का स्वागत किया साथ ही एयरपोर्ट पर सबके सामने मोदी के पांव भी छूए। यह अपने आप में अभूतपूर्व है कि विश्व के इतिहास में आज तक कभी भी किसी राष्ट्राध्यक्ष ने किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के पांव सार्वजनिक रूप से नहीं छूए हो। भारत की जनता ने महानायक मोदी को एक नए भारत के शिल्पकार के रूप में देखा। मोदी की हर देश की यात्रा ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बनी है। बात चाहे अमेरिका यात्रा की हो, वहां राष्ट्रपति जो बाइडेन मोदी गले तो मिले ही साथ ही बाइडेन का यह कहना अपने आप में अद्भुत है कि ''आप तो अद्भुत लोकप्रिय हो। मुझे तो आपके आटोग्राफ लेने चाहिए।'' आस्ट्रेलिया के सिडनी में जिस तरह से पूरा स्टेडियम वहां बसे भारतीयों ने ठसाठस भर दिया और पूरा स्टेडियम मोदी-मोदी के नारों से गुंजायमान हो उठा। उसे देखकर तो आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस भी हैरान रह गए। दुनिया के बड़े नेता जहां मोदी को सर आंखों पर बैठा रहे हैं, वहीं भारत में मोदी की लगातार बढ़ती साख एवं सम्मान से समूचा विपक्ष बौखलाया हुआ है। मोदी का जितना विरोध किया जा रहा है, उतनी ही उनकी प्रतिष्ठा एवं जनस्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। एक तरह से विरोध उनके लिये वरदान बन रहा है। इस युगनायक पर कीचड़ उछालने की जिस तरह की हरकतें की गई, वर्तमान में वे पराकाष्ठा तक पहुंच गयी है। पर इससे मोदी का वर्चस्व धूमिल होने वाला नहीं है। क्योंकि उनकी राजनीति एवं नीति विशुद्ध है और सैद्धान्तिक आधार पुष्ट है।

आज भारत देश की वैश्विक साख और गरिमा में जो वृद्धि हुई है उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। विश्व शांति की स्थापना में भारत का योगदान हो या प्रौद्योगिकी के विशाल क्षितिज में लंबी उड़ान, यह सब प्रधानमंत्री की विशाल दृष्टि से संभव हो रहा है। हम सब बदलाव की इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख रहे हैं। यह सौभाग्य से कम नहीं है। मोदी का संपूर्ण व्यक्तित्व एक पाठशाला बन गया है। उनके व्यक्तित्व के कई अनूठे आयाम हम देख चुके हैं, जो हमें आश्चर्यचकित कर देते हैं। उनकी सबसे बड़ी और असाधारण बात है उनके वक्तव्य और भाषण। जितनी स्पष्टता और प्रभावी तरीके से वे अपनी बात रखते हैं वह विलक्षण है। उनकी दूरदृष्टि या विजन बिल्कुल स्पष्ट होता है। उन्होंने लोगों में विश्वास जगाया है कि भारत में आर्थिक विकास करने और दुनिया में अपना प्रभुत्व कायम करने की क्षमता है। कठोर परिश्रम एवं अनुशासित जीवन के प्रति उनके अनुराग ने दुनिया को प्रभावित और प्रेरित किया है। राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ में एक बाल स्वयं सेवक बनने से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक उनका जीवन अनुशासित रहा है। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए, हर पल उत्साह से बिताना और नियमित योग करना उनकी दिनचर्या है। कई अवसर ऐसे आये जब श्री मोदी ने यह सिखाया और प्रयोग करके दिखाया कि कैसे धैर्य और विनम्रता सबसे भरोसेमंद साथी है। इनके सहारे कठिन चुनौतियों से निपटा जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी में समय के साथ चलने और समय के पार देखने की अद्भुत क्षमता है। इसीलिए उन्होंने अपने नेतृत्व में जितनी योजनाएं बनाई वे सब वर्तमान को मजबूत बनाते हुए भविष्य को सुरक्षित करने वाली योजनाएं हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत समृद्ध भारत का मिशन पूरा करने और भारत को विश्व की प्रथम 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने के महान लक्ष्य को पूरा करते हुए भारत एक महाशक्ति के रूप में उभरते हुए विश्व नेतृत्व की क्षमताओं को उजागर कर रहा है। मोदी की सभी योजनाओं का उद्देश्य देश को विकसित बनाना और आर्थिक अर्थव्यवस्था को सुधारना है। नागरिकों को अच्छी सुविधाएं, आत्मनिर्भर जीवनयापन के अच्छे विकल्प, अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं, अच्छा रोजगार, बेहतर वातावरण आदि उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री जन धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, स्किल इंडिया मिशन, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, अमृत योजना, डिजिटल इंडिया मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आत्मनिर्भर भारत ने वर्तमान भारत की तस्वीर बदल दी है। भारतीय लोकतंत्र में एक स्वर्णिम अध्याय शुरू हुआ है और उसमें निरंतर नये-नये आयाम जुड़ते जा रहे हैं जिसे समूची दुनिया आश्चर्य से देख रही है। 'सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र अब हर नागरिक का सूत्र वाक्य है। मोदी के नेतृत्व में कई परिवर्तनकारी पहल की गई हैं, जिनका भारत पर स्थायी प्रभाव पड़ा है। उनके 'स्वच्छ भारत' अभियान ने पूरे देश में स्वच्छता और सफाई के बारे में जागरूकता बढ़ाई है, जबकि 'मेक इन इंडिया' पहल का लक्ष्य भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलना है। इसके अतिरिक्त, मोदी के 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम ने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में काफी सुधार किया है, जिससे प्रौद्योगिकी सभी के लिए अधिक सुलभ हो गई है। दस वर्ष का कुशल देश संचालन, विकास की नयी इबारत लिखना, विश्वमंचों पर भारत की साख को बढ़ाना आदि घटनाओं के साक्षी रहे लोगों का अनुभव है कि इस अवधि में जितना एवं जैसा भारत बना है, उसमंर विश्व को नयी दिशा देने की क्षमता है। भारत की जनता उन्हें एक नए भारत के अभ्युदय के आधारस्तंभ के रूप में देख रही है।

संपादकीय

जनादेश का संदेश

पहली नजर में महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह है कि राज्यों की जनता ने सत्तारूढ़ गठबंधनों में ही विश्वास जताया है। हालांकि, दोनों राज्यों के मुद्दे व राजनीतिक परिदृश्य एक दूसरे से भिन्न हैं, लेकिन महाराष्ट्र में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की अप्रत्याशित जीत ने सबको चौंकाया है। इतनी बड़ी कामयाबी की उम्मीद शायद भाजपा गठबंधन को भी नहीं रही होगी। वहीं दूसरी ओर भले ही झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सत्ता बरकरार रखी हो, मगर महाराष्ट्र की महाविजय झारखंड के मुकाबले अधिक महत्वपूर्ण है, जिसके गहरे निहितार्थ हैं। ऐसा लगा कि भाजपा ने कुशल संगठन और रणनीति के बूते जीतने की आदत विकसित कर ली है। महाराष्ट्र में ऐसी शानदार जीत की कल्पना राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार व उद्धव ठाकरे के होते हुए शायद ही किसी ने की हो। दरअसल, छह माह से कम समय पहले महा विकास अघाड़ी, जिसमें कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना के उद्धव ठाकरे धड़े ने लोकसभा चुनाव में भाजपा व उसके सहयोगियों को पछाड़ दिया था। ऐसे में विधानसभा चुनाव में गठबंधन की उम्मीदें बढ़ गई थीं। लेकिन अति आत्मविश्वास और दलों में फूट के कारण गठबंधन ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। कांग्रेस भी हरियाणा में मिले झटके से कोई सबक नहीं सीख पायी। इसके विपरीत, महायुति ने मतदाताओं को लुभाने के लिये हर संभव प्रयास किया। खासकर महिला केंद्रित लाड़ली बहन योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं ने अद्भुत काम किया। वैसे महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन को ध्रुवीकरण का भी खासा लाभ मिला। उनकी सफलता में इसके अलावा शिवसेना व राकांपा में विभाजन का लाभ भी भाजपा को मिला। लेकिन वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव परिणामों में गठबंधन द्वारा पूर्ण बहुमत मिलने के बाद जैसी अराजकता व अनिश्चितता पैदा हुई, उम्मीद की जानी चाहिए कि फिर वैसे हालात पैदा नहीं होंगे। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विजयी गठबंधन सरकार का गठन सुचारु रूप से करे। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन के जो मुद्दे चले, वे झारखंड में निष्प्रभावी रहे। हेमंत सोरेन झारखंड की जनता को विश्वास दिलाने में कामयाब रहे कि वे आदिवासी हितैषी हैं। 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा तथा घुसपैठियों का मुद्दा झारखंड के लोगों को रास नहीं आया। कहीं न कहीं प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कथित भ्रष्टाचार के आरोप में हेमंत सोरेन के खिलाफ हुई कार्रवाई उनके लिये सहानुभूति जगाने की वजह बनी। वहीं महिलाओं के खातों में गई एकमुश्त रकम ने उन्हें बड़ा संबल दिया। महिला कल्याण केंद्रित योजनाओं के चलते महिला वोटर महाराष्ट्र और झारखंड में निर्णायक साबित हुए। लेकिन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम कांग्रेस के लिये बड़ा झटका हैं। एक ओर जहां वह झारखंड में झामुमो के कनिष्ठ सहयोगी के रूप में सरकार का हिस्सा रहेगी, वहीं महाराष्ट्र में हुई हार ने उसे इंडिया गठबंधन में बड़ी भूमिका निभाने की स्थिति को कमजोर किया है। आशा है भविष्य की रणनीति बनाने में उसके लिये महाराष्ट्र के सबक मददगार साबित होंगे।

भारत के संविधान की सजावट में वैदिक संस्कृति की छाप

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

संविधान दिवस पर विशेष

भारतीय संविधान भारत का सर्वोच्च विधान है। जो संविधान सभा द्वारा 26 नवंबर 1949 (मिती मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सप्तमी संवत 2006 विक्रमी) को अंगीकृत (अर्थात् स्वीकार करते है) अधिनियमित (अर्थात् कानून के रूप में पारित करते हैं) और आत्मार्पित स्वयं को अर्पित) करते हैं। 26 जनवरी 1950 को प्रभावी हुआ। 26 नवंबर को भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया। जबकि संविधान के कुछ प्रावधानों को छोड़कर शेष सभी प्रावधान 26 जनवरी 1950 को लागू किए जाने के कारण इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के संविधान का मूल आधार भारत सरकार अधिनियम 1935 को माना जाता है। विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लंबा लिखित और लचीला संविधान है।

भारतीय संविधान की आधारभूत विशेषता संविधान की प्रस्तावना है। जो संविधान की आत्मा कहा जाती है। इसके साथ ही नागरिकों के मूल अधिकार, नीति निर्देशक तत्व और मूल कर्तव्य बहुत महत्वपूर्ण है। मूल अधिकार एक व्यक्ति के व्यक्तित्व और जीवन के लिए आवश्यक है। समानता और स्वतंत्रता का अधिकार तथा शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, सांस्कृतिक और शैक्षणिक अधिकार एवं संवैधानिक उपचारों का अधिकार के रूप में मौलिक अधिकारों का वर्गीकरण किया गया। इसी तरह व्यक्ति के देश और समाज के प्रति कर्तव्य भी निश्चित किए गए है। भारतीय संविधान के निर्माण की प्रक्रिया में दौर राजेंद्र प्रसाद, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, सरदार बलभ भाई पटेल, श्रीमती सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, पंडित गोविंद बल्लभ पंत, श्री राजगोपालाचारी, एन गोपालस्वामी, श्री बीएन राऊ, डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, प्रोफेसर केटी शाह, जेबी कृपलानी जैसे विद्वानों और विधि विशेषज्ञों की सहभागिता रही थी। संविधान सभा के सदस्य केटी शाह के सुझाव से संविधान की मूल प्रति का सुलेखन कराया गया। भारतीय सभ्यता के पूरे कालखंड के 22 चित्र बनाकर संविधान के 22 भागों में जोड़ने का निर्णय लिया गया। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉक्टर राजेंद्रप्रसाद ने शांति निकेतन के आचार्य नंदलाल बोस को पत्र लिखकर चित्रांकन का अनुरोध किया था। इसमें नृत्य करते हुए भगवान नटराज, यज्ञ करते वैदिक ऋषि-मुनियों की यज्ञशाला, लंका विजय के पश्चात अयोध्या लोटते श्रीराम-सीता और लक्ष्मण, गंगा का धरती पर अवतरण, रामायण, महाभारत, मोहनजोदड़ों की सभ्यता, बुद्ध के उपदेश, महाबीर के जीवन, मौर्य गुप्त और मुगल काल के अलावा गांधी, सुभाष, हिमालय से लेकर सागर आदि के सुंदर चित्र बने। वास्तव में यह चित्र भारतीय इतिहास की विकास यात्रा का सुंदर चित्रण है। ये चित्र संबिधान की सजावट में संस्कृति की छाप छोड़ते है। भारतीय संविधान में चित्रों के माध्यम से वैदिक काल से वर्तमान तक की भारतीय विकास यात्रा का सुंदर चित्रण किया गया। इन चित्रों की शुरुआत भारत के राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ के शेर से होती है। संविधान की जिस प्रति पर सविधान सभा के सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। उसकी प्रतियां हिंदी और आंग्रेजी भाषा में अलग-अलग तैयार की गई। हिंदी भाषा में यह कार्य श्री बसंत कृष्ण वेद द्वारा किया गया। तथा अग्रेजी में भारतीय संविधान को प्रेम बिहारी रायजादा ने अपनी हस्तलिपि से लिखा। भारत में स्वतंत्र न्यायपालिका का प्रावधान है। भारतीय संविधान में संविधान की सर्वोच्चता स्थापित की गई है तथा

संसदीय संप्रभुता का प्रावधान किया गया है। लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना के लिए भी संकल्पित है। विश्व के सभी संविधानों का गहनता से अध्ययन तथा विचार विमर्श के पश्चात भारतीय संविधान को आकार दिया। संविधान निर्माण के लिए हुए मंथन में इस बात को समझा जा सकता है, की प्रारूप समिति की 141 बैठके हुई और इस प्रकार 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन में भारत के संविधान का मूल प्रारूप तैयार हुआ

(चिंतन-मनन)

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई। हर आदमी ऍसे ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझाती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है- भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

विचार मंथन

सदन की कार्रवाई का संभल-हिंसा की भेंट चढ़ जाने से आशय

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

संसद के शीतकालीन सत्र को लेकर जैसा कि संभावना व्यक्त की जा रही थी कि यह सत्र हंगामेदार रहने वाला है, सो पहले ही दिन संसद के दोनों सदनों की कार्रवाई हंगामे के चलते 27 नवंबर सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। बस अंतर यह रहा कि हंगामे की वजह बदल गई है। पहले समझा जा रहा था कि गौतम अडानी और मणिपुर हिंसा जैसे मामलों को लेकर विपक्ष सदन में हंगामा कर सकता है, लेकिन अचानक से संभल हिंसा सामने आ गई, जिस पर विपक्ष ने चर्चा की मांग रखी। इसी बीच हंगामा हुआ जिसके चलते पहले लोकसभा की कार्रवाई एक घंटे के लिए और बाद में लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदनों की कार्रवाई अगले कार्यदिवस बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। मतलब यह कि संभल में जो हिंसा हुई और 4 से 5 लोगों को अपनी जांन से हाथ धोना पड़ गया। यह वाकई गंभीर चिंतनीय विषय है। इस मामले को लेकर राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं तो हैरानी की बात भी नहीं है। वायनाड लोकसभा सीट से नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी का इस मामले में जो बयान आया उसके मुताबिक उत्तर प्रदेश के संभल में अचानक उठे विवाद को लेकर राज्य सरकार का रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। वाकई इस संवेदनशील मामले में बिना दूसरे पक्ष को सुने और बिना दोनों पक्षों को विश्वास में लिए प्रशासनिक स्तर पर जो हड़बड़ी में कार्रवाई की गई, वह दिखाता है कि राज्य सरकार ने खुद ही माहौल को खराब किया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से स्वत- संज्ञान लेने की बात कहते हुए प्रियंका ने सत्ताधारियों पर भेदभाव, अत्याचार और फूट डालने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए हैं। इससे पहले संभल मामले में ही उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने दावा किया था कि संभल में एक गंभीर घटना हुई है। इसके मुताबिक चुनाव पर चर्चा रोकने की गरज से सुबह-सुबह जानबूझकर एक सर्वेक्षण टीम को भेज दिया गया, जिसका उद्देश्य अराजकता पैदा करना था। उन्होंने सवाल खड़ा करते हुए कहा कि जब मस्जिद का सर्वेक्षण पहले ही हो चुका था, तो फिर से नया सर्वेक्षण क्यों किया गया और वह भी सुबह-सुबह और बिना किसी तैयारी के? वैसे यह कहना गलत भी नहीं होगा कि देश में मौजूद ज्वलंत समस्याओं और अडानी जैसे अंतर्राष्ट्रीय मामलों से देशवासियों का ध्यान भटकाने के लिए कथित तौर पर सरकारों द्वारा संभल हिंसा जैसे प्रयोग किए जाने से इंकार नहीं किया जा सकता है। सूबे की कानून व्यवस्था और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिंह लगाने जैसी घटना यूं ही अचानक तो नहीं हो सकती है। इसके पीछे राजनीतिक घडयंत्र की बू आती है। जिसे विपक्ष लगातार उजागर करने की कोशिश में लगा हुआ है। खासतौर पर तब जबकि संसद के शीतकालीन सत्र के आगाज से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह कहते हुए नजर आते हैं कि यही आशा करता हूं कि शीतकालीन सत्र का माहौल भी शीत रहे। अब समझने वाली बात तो यह है कि प्रकृति की तरह माहौल को शीत रखने के लिए कुछ बेहतर कार्य भी तो करने ही पड़ते हैं। वही पीएम मोदी विपक्ष पर भी वार करने से नहीं चूकते हैं और यह भी कह जाते हैं कि यह दुर्भाग्य ही है कि मुट्ठीभर लोग अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संसद को हुडदंगबाजी से कंट्रोल करने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोगों को जनता देखती और सजा देती है। जिन्हें जनता ने 80 बार नकारा वो संसद का काम रोकते हैं। यह कहते हुए शायद पीएम मोदी भूल जाते हैं कि किस जतन और सालों की मेहनत के बाद भाजपा अब गठबंधन के सहारे केंद्र में बागडोर संभालने पहुंची है। आईने के मिजाज की तरह वो बात करते नजर आते हैं, ऐसे ही आईने के लिए किसी शायर ने क्या खूब कहा है- आईने की फितरत भी किस तरह सियासी है, ये भी शक्त इंसां को जाहिरी दिखाता है। जहां तक संभल हिंसा का सवाल है तो बताया जा रहा है कि हिंसा उस वक्त भड़क उठी जब मुगलकालीन एक मस्जिद का अदालत के आदेश पर सर्वेक्षण करने दोबारा टीम पहुंची थी। भीड़ के बीच में से ही कुछ लोगों ने सर्वे टीम पर पत्थरबाजी शुरु कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए बल प्रयोग किया, आंसू गैस के गोले दागे गए और फायरिंग भी हुई। इस हिंसा में इंसानी खून बहा और मौतें भी हुईं। इसके बाद पुलिस ने मामले भी दर्ज किए और लोगों की गिरफ्तारियां भी हुईं। अब इस पूरे मामले को लेकर विपक्ष जहां राज्य की योगी सरकार पर गंभीर आरोप लगा रही है तो वहीं संसद में विपक्ष ने मोदीनीत सरकार को भी घेरने में कोई कोर-कसर वाकी नहीं रखी है। सदन में संभल हिंसा पर चर्चा की मांग करता विपक्ष और हंगामे की भेंट दोनों सदनों की कार्रवाई भेंट चढ़ गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत और नॉर्वे के बीच टेपा समझौते पर हुई चर्चा

- व्यापारिक संबंधों को और प्रगति देने की योजना बनाई

नई दिल्ली । भारत के वाणिज्य सचिव सुनील भार्थवाल ने हाल ही में नॉर्वे का दौरा किया। उनका यह दौरा भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ ईएफटीए देशों के साथ व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टेपा) लागू करने में तेजी लाने और 100 अरब डॉलर के निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से था। भार्थवाल का नॉर्वे दौरा भारत और ईएफटीए देशों के बीच टेपा समझौते को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए था। इस समझौते के तहत, भारत को ईएफटीए देशों के बाजारों में अपने उत्पादों और सेवाओं के निर्यात के लिए 99.6 प्रतिशत बाजार का अधिकार मिलेगा। इसमें गैर-कृषि उत्पादों और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों पर महत्वपूर्ण टैक्स छूट दी जाएगी। भारत ने ईएफटीए देशों को 82.7 प्रतिशत अपनी टैक्स लाइनों की पेशकश की है, जो ईएफटीए के निर्यात का 95.3 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। भारत ने ईएफटीए के लिए 105 उप-क्षेत्रों की पेशकश की है, जबकि नॉर्वे ने 114 क्षेत्रों में प्रतिबद्धता की है। भार्थवाल ने नॉर्वे में टॉमस नॉर्वोल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इन बैठकों में मुख्य रूप से व्यापार संबंधों को बढ़ावा देना भारतीय निर्यात को प्रोत्साहन देना, और टेपा के अनुमोदन में तेजी लाने के मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अलावा वाणिज्य सचिव ने नॉर्वेजियन संसद के सदस्यों से भी मुलाकात की और समझौते के संभावित लाभों पर जोर दिया।

सोलरवर्ल्ड एनर्जी ने आईपीओ से पहले जुटाए 110 करोड़

नई दिल्ली । सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस ने वैल्यूक्रेस्ट इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स सहित कई निवेशकों से आईपीओ से पहले करीब 110 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसके साथ ही कंपनी के निर्धारित आईपीओ के नए निर्गम घटक को पहले अनुमानित 550 करोड़ रुपये से घटाकर 440 करोड़ रुपये कर दिया गया है। सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता ने पिछले सप्ताह सार्वजनिक घोषणा में कहा कि उसने हाल ही में निवेशकों को 352.05 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 31.24 लाख शेयर आवंटित किए हैं, जिससे लेनदेन का कुल आकार 109.99 करोड़ रुपये हो गया। सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण सेवाओं में विशेषज्ञता रखती है।

सोना और चांदी के भाव में नरमी

- सोने का भाव 76,600 रुपए, चांदी 89,500 रुपए के करीब

नई दिल्ली । इस सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत में नरमी देखी जा रही है। सोमवार को दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 76,600 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सुस्त शुरुआत के बाद सोने-चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 616 रुपये की गिरावट के साथ 77,000 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 1,043 रुपये की गिरावट के साथ 76,573 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 435 रुपये की गिरावट के साथ 90,333 रुपये पर खुला। इस समय यह 1,345 रुपये की गिरावट के साथ 89,423 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,716.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,712.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 41.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,671.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.40 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.33 डॉलर था। इस समय यह 0.50 डॉलर की गिरावट के साथ 30.83 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अदाणी समूह ने अपनी पोर्टफोलियो कंपनियों के वित्तीय और ऋण विवरण जारी किए

- अदाणी समूह की कंपनियों ने बंदरगाहों से लेकर ऊर्जा तक के कारोबार में निवेश को बढ़ावा दिया

नई दिल्ली ।

गौतम अदाणी के समूह ने निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने सोमवार को अपनी पोर्टफोलियो कंपनियों के वित्तीय और ऋण विवरण जारी किए। इस घोषणा के माध्यम से कंपनी ने अपने मजबूत मुनाफे और नकदी प्रवाह की बढ़त को दर्शाया। अदाणी समूह के कंपनियों ने बंदरगाहों से लेकर ऊर्जा तक के कारोबार में निवेश को बढ़ावा दिया है। कंपनी के अनुसार वे अब अपनी विकास की गति को बनाए रख सकते हैं बिना ऋण पर निर्भर होने की दरकार। हाल ही में गौतम अदाणी और दो अन्य अधिकारियों के खिलाफ अमेरिकी अदालत में सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप है। समूह की कुल संपत्ति में इक्विटी का योगदान करीब दो तिहाई है, जो पांच साल पहले की तुलना में काफी अलग है। समूह ने पिछले 12 महीनों में करीब 75,227 करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि कुल कर्ज में सिर्फ 16,882 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। अदाणी समूह ने अपने निवेशकों के साथ एक नोट भी साझा किया है, जिसमें कहा गया है कि वे कम से कम 12 महीनों के लिए सभी ऋण सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता रखते हैं। अदाणी समूह की लिक्विडिटी से जुड़े एक नोट में कहा गया है कि उनके पास 53,024 करोड़ रुपये की नकदी है, जो इसके कुल सकल बकाया ऋण का 21 प्रतिशत है।

समूह ने अगले 10 वर्षों में 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने की योजना बनाई है और उनकी लाभदायकता में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए धारिता की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है।

नेपाल का व्यापार घाटा 460 अरब के पार

काठमांडू ।

नेपाल का व्यापार घाटा चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह में 460 अरब रुपये से अधिक हो गया है। सीमा शुल्क विभाग के आंकड़ों के अनुसार नेपाल ने चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों के दौरान 513.38 अरब रुपये के सामान का आयात किया, जबकि निर्यात केवल 52.67 अरब रुपये तक ही रहा। विभाग के अनुसार नेपाल ने चार महीनों में कुल 566.5 अरब रुपये के विदेशी व्यापार में 460.71 अरब रुपये का व्यापार घाटा देखा। आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में आयात 0.17 प्रतिशत बढ़ा, जबकि निर्यात में 4.16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में नेपाल का भारत के साथ व्यापार घाटा 281 अरब रुपये को पार कर गया है। इस अवधि के दौरान नेपाल ने भारत से करीब 317 अरब रुपये का सामान आयात किया, जबकि उसने भारत को सिर्फ 36 अरब रुपये का सामान निर्यात किया। इन चार महीनों में नेपाल ने 29.4 अरब रुपये का डीजल, 21.56 अरब रुपये का पेट्रोल और 18.85 अरब रुपये का एलपीजी आयात किया।

अमेरिकी चुनाव के परिणाम ने बढ़ाई बिटकॉइन की चमक

2011 में जिस निवेशक ने 100 रुपये लगाया आज वह है 1.65 करोड़ का मालिक

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम आने के बाद दुनिया भर में क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की चर्चा में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इलेक्शन रिजल्ट्स के बाद से ही बिटकॉइन की कीमत में जोरदार उछाल देखा जा रहा है। साल 2011 को जब बिटकॉइन की कीमत केवल 1 डॉलर थी, यह क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ने वाले एक निवेशक ने सिर्फ 100 रुपये निवेश किए थे, जिसका वर्तमान मूल्य लगभग 1.65 करोड़ रुपये है. बिटकॉइन का सफर साल 2009 में शुरू हुआ था और आज साल 2024 में इसकी कीमत 1 करोड़ रुपये के आसपास पहुंच चुकी है। 24 नवंबर को बिटकॉइन की कीमत 97,654.9 डॉलर (लगभग 82.43 लाख रुपये) थी। इस चौंकाने वाली बढ़ोतरी के साथ बिटकॉइन ने महामारी के समय में भी दिखाया कि यह एक सुरक्षित निवेश हो सकता है। साल 2020 में जब दुनिया में महामारी, लॉकडाउन और आर्थिक संकट थे, तब इस क्रिप्टोकरेंसी की कीमत में 400 फीसदी तक की वृद्धि देखने को मिली। साल 2021 में भी बिटकॉइन ने नए उच्चांक स्थापित किए और आई जनवरी में कीमत 40,000 डॉलर पर पहुंची और अप्रैल तक 60,000 डॉलर के पार पहुंच गई। माना जा रहा है कि अमेरिका के नए राष्ट्रपति ने बिटकॉइन के समर्थन में वादा किया था, जिसके बाद से बिटकॉइन की कीमत में 40 फीसदी तक की वृद्धि आई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 992 , निफ्टी 314 अंक ऊपर आया

निवेशकों को 7 लाख करोड़ रुपये का लाभ

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसके अलावा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी भाजपा गठबंधन की जीत से भी निवेशकों का भरोसा बना है जिससे बाजार को बल मिला। इससे एक ही दिन में 7 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। आज कारोबार के दौरान रिलायंस, एचडीएफसी बैंक के शेयर भी ऊपर आये।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज 1.25 फीसदी तकरीबन 992.74 अंक बढ़कर 80,109.85 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 1.32 फीसदी तकरीबन 314.65 अंक ऊपर आकर 24,221.90 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 43 के शेयर लाभ पर बंद हुए आज कारोबार के दौरानप सेंसेक्स की कंपनियों में एलएंडटी का शेयर 4 फीसदी से अधिक ऊपर आया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक, अदानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, मारुति, एशियन पेंट्स और एचसीएल टेक के शेयर फिसलकर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह

बाजार में भारी तेजी देखी गई। बाजार खुलते ही सेंसेक्स 1200 से ज्यादा अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी 24,300 के पार पहुंच गया। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत से निवेशकों की धारणा को बढ़ावा मिला है। सेंसेक्स उछाल के साथ 80,193 अंक पर खुला और सुबह के कारोबार में 80,452 के हाईएस्ट लेवल को छू गया। इंट्राडे में सेंसेक्स में 1,355 अंक की बढ़त दर्ज की गई। इसी तरह निफ्टी-50 भी जोरदार उछाल के साथ 24,253.55 अंक पर खुला और ओपनिंग बेल के कुछ ही मिनटों के भीतर 24,330 के इंट्राडे हाई को छू लिया। इस दौरान निफ्टी में 400 से ज्यादा अंक तक उछाल आया।

धोखाधड़ी के शिकार व्यक्ति के खाते से गायब हुए 2.6 लाख वापस करे बैंक: हाईकोर्ट

- हर्जाने के रूप में याचिकाकर्ता को 25,000 रुपये का भुगतान भी करे

नई दिल्ली ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को निर्देश दिया है कि वह साइबर धोखाधड़ी के शिकार 55 वर्षीय व्यक्ति के खाते से गायब हुए 2.6 लाख रुपये वापस करे। यह मामला 2021 में सामने आया था, जब याचिकाकर्ता एक फिशिंग और विशिंग हमले का शिकार हुआ। अदालत ने यह भी आदेश दिया है कि बैंक उक्त राशि पर 9 फीसदी वार्षिक ब्याज और हर्जाने के रूप में याचिकाकर्ता को 25,000 रुपये का भुगतान करे। न्यायमूर्ति धर्मेश शर्मा ने अपने फैसले में भारतीय स्टेट बैंक को स्पष्ट सेवा कमी का दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि धोखाधड़ी की सूचना मिलने के बावजूद बैंक की प्रतिक्रिया ढीली, दोषपूर्ण और समय पर नहीं थी। अदालत ने कहा कि बैंक को ग्राहक के साथ एजेंट की तरह व्यवहार करते हुए उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और धोखाधड़ी का पता लगते ही तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उसने अपराधियों के साथ कोई ओटीपी साझा नहीं किया था, फिर भी उसके खाते से राशि निकाल ली गई। न्यायमूर्ति ने कहा कि बैंक ने संदिग्ध खातों को चार्जबैक, पुनर्प्राप्ति या फ्रीज करने जैसे कदम उठाने में लापरवाही बरती। अदालत ने विशेष रूप से एसबीआई की आलोचना करते हुए कहा कि उसने आईडीएफसी बैंक और वन97 कम्युनिकेशन में रखे गए खातों पर भी कोई कार्रवाई नहीं की। न्यायालय ने कहा कि ग्राहक सेवा किसी भी बैंक के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर धोखाधड़ी के मामलों में। इस मामले में बैंक का रवैया गंभीर रूप से असंतोषजनक और गंभीर सेवा कमी का उदाहरण था। अदालत के इस आदेश से साइबर धोखाधड़ी से पीड़ित लोगों को न्याय पाने की उम्मीद जगी है।

अदाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से नौ के शेयरों में तेजी

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में करीब सात प्रतिशत की तेजी आई

नई दिल्ली । अदाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से नौ के शेयरों में सोमवार को शुरुआती कारोबार में तेजी देखी गई। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में करीब सात प्रतिशत की तेजी आई। बीएसई पर अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में 6.89 प्रतिशत, अदाणी ग्रीन एनर्जी में 6.42 प्रतिशत, अदाणी टोटल गैस में 5.33 प्रतिशत, अदाणी पोर्ट्स में 4.64 प्रतिशत और अदाणी पावर में 4.17 प्रतिशत की तेजी आई। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर चार प्रतिशत, अदाणी विल्मर के 3.23 प्रतिशत, एसीसी के तीन प्रतिशत और अंबुजा सीमेंट्स के शेयर 2.71 प्रतिशत चढ़े। गौरतलब है कि समूह के संस्थापक अध्यक्ष गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर सहित सात अन्य लोगों के खिलाफ अमेरिका में 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की कथित रिश्वतखोरी की साजिश रचने का हिस्सा होने के आरोप में अभियोग लगाए जाने के बाद विदेशों से धन जुटाने की इसकी क्षमता पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है। कुछ वैश्विक बैंक और वित्तीय संस्थान कथित तौर पर समूह को नए ऋण देने पर अस्थायी रूप से रोक लगाने पर विचार कर रहे हैं।

गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया हर शेयर पर देगी 35 रुपए का डिविडेंड

- बीते एक साल में कंपनी का शेयर 173 फीसदी का रिटर्न दे चुका है

नई दिल्ली ।

विश्व की जानी मानी सिगरेट बनाने वाली कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया रेड स्क्वायर, रेड एंड व्हाइट, कैवेंडर्स, स्टेलर और फोकस जैसे ब्रांड नाम से सिगरेट बनाती है। अब कंपनी ने बड़ा ऐलान किया है। सिगरेट और तंबाकू प्रोडक्ट्स बेचने वाली यह कंपनी अपने शेयरहोल्डर्स को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 35 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देने वाली है। डिविडेंड का ऐलान कंपनी के बोर्ड की हाल ही में हुई मीटिंग के बाद किया था। अंतरिम डिविडेंड को लेकर शेयरहोल्डर्स की पात्रता तय करने के लिए रिकॉर्ड डेट 29 नवंबर है। इस तारीख तक जिन शेयरधारकों के नाम शेयरों के लाभार्थी मालिकों के तौर पर रजिस्टर ऑफ मेंबर्स ऑफ द कंपनी या डिपॉजिटरीज के रिकॉर्ड्स में होंगे, वे डिविडेंड पाने के हकदार होंगे। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया का कहना है कि वह पात्र शेयरहोल्डर्स को डिविडेंड का भुगतान 19 नवंबर की तारीख से शुरू होने वाली 30 दिन की अवधि में कर देगी। यह कंपनी मोदी एंटरप्राइजेज-केके मोदी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी है। यह भारत की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनियों में शामिल है। गॉडफ्रे शेयर एक मल्टीबैगर स्टॉक है। एक साल में इस शेयर ने निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया है। बीते एक साल में शेयर 173 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। वहीं एक सप्ताह में कीमत 8 फीसदी गिरावट आई है। कंपनी के शेयर की कीमत पिछले शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 5,623 रुपये पर बंद हुई। कंपनी का मार्केट कैप 29200 करोड़ रुपये है।

सीएनजी के दाम 4 रुपए प्रति किलो तक बढ़े

- एनसीआर के नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे शहरों में सीएनजी की कीमत बढ़ी

नई दिल्ली ।

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। सीएनजी की कीमतों में 1.5 रुपये से 4 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी की घोषणा कंपनी ने की है। आईजीएल ने इस मूल्य वृद्धि से दिल्ली को दूर रखा है, वहीं एनसीआर के नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे शहरों में सीएनजी की कीमत में इजाफा किया है।

कीमतों में हुई इस बढ़ोतरी से आईजीएल के ऑपरेशन वाले लगभग 30 फीसदी क्षेत्रों पर असर पड़ने की उम्मीद है। कंपनी की कुल सीएनजी खपत का 70 फीसदी हिस्सा दिल्ली से आता है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुड़गांव, करनाल और कैथल में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की है। राजस्थान के अजमेर, पाली और राजसमंद में 1.5 रुपये प्रति किलो की वृद्धि की है। मुजफ्फरनगर, मेरठ, शामली, महोबा, बांदा और चित्रकूट में आईजीएल ने सीएनती का भाव 3 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाया है। मुंबई में पहले ही सीएनजी की कीमतें बढ़ चुकी हैं। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने मुंबई में सीएनजी की कीमतें 2 रुपये प्रतिकिलोग्राम बढ़ाकर 75 रुपये प्रति किलो से 77 रुपये कर दिया है। आईजीएल और एमजीएल ने सीएनजी के भाव सरकार के 16 नवंबर से पुरानी गैस फील्ड से मिलने वाली सस्ती प्राकृतिक गैस की सप्लाई में 20 फीसदी की कटौती करने के बाद की है।

इससे पहले 16 अक्टूबर को भी सप्लाई में 21 फीसदी की कटौती की गई थी। इन कटौतियों के बाद आईजीएल, एमजीएल और अडानी टोटल गैस जैसी गैस कंपनियों ने अपनी प्रॉफिटेबिलिटी पर असर पड़ने की आशंका जताई थी।

देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ीं

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 75.14 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से सोमवार को देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी दिख रही है। सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को सुबह जारी रेट में बदलाव किया है और दिल्ली के आसपास के शहरों में भी भाव बदल गए हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में जहां तेल के दाम बढ़े हैं तो पास के गाजियाबाद और गुरुग्राम जिले में तेल सस्ता हो गया है। हालांकि, दिल्ली सहित देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 11 पैसे महंगा होकर 94.98 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 12 पैसे चढ़ा और 88.13 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे गिरकर 94.53 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 14 पैसे टूटकर 87.61 रुपये लीटर बिक रहा है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 15 पैसे सस्ता हो गया और 95.02 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 14 पैसे फिसलकर 87.88 रुपये लीटर हो गया है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी मामूली बदलाव हुआ है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 75.14 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी थोड़ा चढ़कर 71.23 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.98 रुपये और डीजल 88.13 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.53 रुपये और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 95.02 रुपये और डीजल 87.88 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

इतिहास में अब तक के सबसे अमीर शख्स हुए एलन मस्क

-334.3 अरब डॉलर की संपत्ति के हो गए हैं मालिक

सैन फ्रांसिस्को।

राजा-महाराजाओं को पीछे छोड़ते हुए मशहूर उद्योगपति एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर शख्स हो गए है। अमेरिका की टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एक और कीर्तिमान रच दिया है। एलन मस्क इतिहास में अब तक के सबसे अमीर शख्स हो गए हैं।

फोर्ब्स के अनुसार, वह अब 334.3 अरब डॉलर की संपत्ति के मालिक हो गए हैं। एलन मस्क की नेटवर्थ में तेजी का कारण टेस्ला के शेयरों में आया तगड़ा उछाल है। माना जा रहा है कि यूएस के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई ऐसी नीतियां लागू करेंगे जो व्यवसायियों को समर्थन देंगी। यह बात जगजाहिर है कि ट्रंप और मस्क के बीच काफी अच्छे संबंध हैं।

इसलिए बाजार को उम्मीद है कि उन नीतियों का सीधा प्रभाव टेस्ला पर सकारात्मक रूप से पड़ेगा। इसी उम्मीद में टेस्ला के शेयरों में रैली देखी जा रही है। टेस्ला के शेयर यूएस में राष्ट्रपति चुनाव की शुरुआत से अब तक 40 फीसदी तक चढ़ चुके हैं। इसमें शुक्रवार को शेयरों में आया 3.8 फीसदी का उछाल भी शामिल है। शुक्रवार को टेस्ला के शेयर 352.56 डॉलर पर पहुंच गए। यह टेस्ला के स्टॉक्स की 3 साल की सर्वाधिक वैल्यू है। नतीजतन, मस्क की वेल्थ में 7 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और उनकी नेटवर्थ 320.3 अरब डॉलर से आगे निकल गई। नवंबर 2021 में उनकी नेटवर्थ 320 अरब डॉलर हुई थी जो इससे पहले तक उनकी सर्वाधिक नेटवर्थ थी। मस्क की नेटवर्थ का एक बड़ा हिस्सा टेस्ला में उनकी 13 फीसदी हिस्सेदारी और 9 फीसदी इक्विटी अवॉर्ड की वजह से आता है।एलन मस्क ने राष्ट्रपति चुनाव में खुलकर डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया।

उन्होंने ट्रंप के कैंपेन में 10 करोड़ डॉलर का योगदान भी दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास, पर्थ में पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराया

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने लंबे समय के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास रच दिया है। भारतीय क्रिकेट टीम ने जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में ऐसा कारनामा कर दिखाया है जो रोहित शर्मा भी हासिल नहीं कर सके थे। भारतीय टीम ने 25 नवंबर (सोमवार) को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 (बीजीटी) के पहले मैच में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम को ये जीत 295 रनों से मिली है।

ऑस्ट्रेलिया को 534 रनों के लक्ष्य का पीछा करना था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने चौथी पारी में पहली पारी की तुलना में अधिक मजबूत वापसी की। हालांकि भारतीय टीम के कप्तान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की अगुवाई में भारत के गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए मुश्किल खड़ी कर दी और अंततः उन्हें 238 रनों पर समेट दिया। इस जीत के साथ

भारत अब पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे चल रहा है।

गौरतलब है कि इस मैच के दौरान भारतीय टीम की एक अविश्वसनीय ऑलराउंड परफॉर्मेंस देखने को मिली है। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों ने महत्वपूर्ण मौकों पर शानदार प्रदर्शन किया। पहली पारी में मात्र 150 रन पर आउट होने के बाद, बुमराह के पांच विकेट की अगुआई में भारत के गेंदबाजी आक्रमण ने ऑस्ट्रेलिया को 104 रन पर ढेर कर दिया और 46 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की।

दूसरी पारी में भारत ने मैच का रुख पूरी तरह से पलट दिया क्योंकि उन्होंने बल्ले से मैच में अपना दबदबा बनाया। ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 161 रनों की धमाकेदार पारी खेली और अनुभवी विराट कोहली ने फॉर्म में वापसी करते हुए इस साल का अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा, उन्होंने 143 गेंदों पर 100 रन बनाए। जायसवाल और कोहली की मदद से भारत ने 487-6 रन बनाकर पारी घोषित की और ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रनों का लक्ष्य रखा।

चौथी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी की तुलना में बेहतर वापसी की। ट्रैविस हेड ने आक्रामक बल्लेबाजी की और 89 रन बनाए तथा मिशेल मार्श ने 47 रन की पारी खेली। एलेक्स कैरी ने ऑस्ट्रेलिया के लिए आखिरी विकेट लिया और मेजबान टीम 238 रन पर ढेर हो गई तथा 295 रन से हार गई।

टीम इंडिया की यह जीत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आई है, क्योंकि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। श्रृंखला में हार के बाद क्रिकेट जगत और मीडिया दोनों ने भारतीय टीम और नए प्रबंधन, जिसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर भी शामिल हैं, की कड़ी आलोचना की। यह जीत भारत की ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी जीत भी है और वह पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया को हराने वाली पहली टीम बन गई।

पर्थ पहुंचते ही पिंक बॉल टेस्ट की तैयारी में जुटे रोहित

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा सोमवार को पर्थ स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट के चौथे दिन टीम से जुड़ गए। रोहित रविवार को वहां पहुंचे और सोमवार को टीम के ड्रेसिंग रूम में कोच गौतम गंभीर के साथ नजर आए।

अपने बेटे के जन्म के कारण पर्थ में पहला टेस्ट मैच मिस करने वाले रोहित भारत की टेस्ट टीम के नियमित कप्तान हैं। रोहित ने दूसरे टेस्ट की तैयारी शुरू कर दी है। वह नेट्स पर जमकर प्रैक्टिस करते हुए दिखाई दिए। फॉक्स स्पोर्ट्स ने यह भी दिखाया कि रोहित लंच ब्रेक के दौरान पर्थ में नेट्स पर गुलाबी गेंद से अभ्यास कर रहे थे, जिसमें रिजर्व खिलाड़ी नवदीप सैनी, यश दयाल और मुकेश कुमार उन्हें गेंदबाजी कर रहे थे। भारत को 30 नवंबर और 1 दिसंबर को कैनबरा के मनुका ओवल में प्रधानमंत्री इलेवन के खिलाफ दो दिवसीय पिंक गेंद अभ्यास मैच खेलना है, जिसके बाद 6-10 दिसंबर तक एडिलेड ओवल में डे-नाइट टेस्ट मैच खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा, 'लंच ब्रेक के दौरान यहां नेट पर हमारे पास भारत के कप्तान रोहित शर्मा हैं, जो अभी-अभी यहां आए हैं। 6 दिसंबर को एडिलेड में शुरू होने वाले पिंक गेंद टेस्ट मैच से पहले हमारे पास कुछ भारतीय तेज गेंदबाज, अपने कप्तान के खिलाफ गेंदबाजी कर रहे हैं। जैसा कि हमने अभी देखा कि मुकेश कुमार एक अच्छी गेंद फेंक रहे हैं। लेकिन कप्तान को यहां देखना बहुत अच्छा है। हम उन्हें अगले कुछ दिनों में ऑस्ट्रेलियाई धरती पर फिर से मैदान पर देखने के लिए उत्सुक हैं।' रोहित की अनुपस्थिति में केएल राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत की थी। पर्थ में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में 26 और 77 रनों की पारी खेलते हुए स्ट्रोक-प्ले और डिफेंस में ठोस प्रदर्शन किया। राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ 201 रनों की ओपनिंग साझेदारी भी की, जिन्होंने शानदार 161 रन बनाए, जिससे भारत ने दूसरी पारी में 487/6 पर पारी घोषित की।

कोच गौतम गंभीर के साहसिक निर्णयों से भारतीय खिलाड़ियो में लौटा आत्मविश्वास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल और विराट कोहली की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखकर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। तीसरे दिन का खेल टीम इंडिया के लिए शानदार रहा, जिसने महज 4.2 ओवर में तीन महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और मेहमान टीम अब पांच मैचों की सीरीज में पहला मैच जीतने की ओर अग्रसर है।

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में घरेलू सीरीज के बाद धैर्य और लचीलापन दिखाया है, और रविवार को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बढ़त हासिल की। कुछ दबाव मंर होने के बावजूद, भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर ने सीरीज की तैयारी के दौरान अपने खिलाड़ियों का पूरा समर्थन किया है।

विराट कोहली की बल्लेबाजी और सीरीज से पहले उनके फॉर्म पर सवाल उठाए जा रहे थे। हालांकि, गंभीर ने पूरे समय अनुभवी खिलाड़ी का साथ दिया और कोहली ने उन पर दिखाए गए भरोसे को सही साबित किया। उन्होंने अपने करियर का 30वां टेस्ट शतक जड़ा और भारत को ऑस्ट्रेलिया के सामने एक बड़ा लक्ष्य रखने में मदद की। कोहली ने जैसे ही 143 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, भारत की पारी घोषित कर दी गई। इसके बाद बीसीसीआई द्वारा अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जारी किए गए वीडियो में उन्हें पारी के बाद ड्रेसिंग रूम में अपने मुख्य कोच को गले लगाते हुए देखा गया।

गंभीर ने बल्लेबाजी क्रम बदलने और केएल राहुल को जायसवाल के साथ ओपनिंग करने के लिए भेजने का फैसला भी कारगर साबित हुआ। दोनों ने 383 रनों में 201 रनों की साझेदारी की और ऑस्ट्रेलिया में भारत के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का रिकॉर्ड बनाया। केएल राहुल ने अपनी भूमिका निभाई और क्रीज पर डटे रहे, जिससे पारी की शुरुआत से ही लय बनी रही, जबकि जायसवाल ने भी अपना शतक पूरा किया। गंभीर पर सीरीज से पहले हर्षित राणा और नितीश रेड्डी को मौका देने पर भी सवाल उठाए गए थे, लेकिन मैदान पर उनके प्रदर्शन से उन सवालों के भी जवाब मिल गए हैं।

भारतीय टीम एक बार फिर डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में पहले ही टेस्ट में मिली बड़ी जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिक में एक बार फिर शीर्ष पर पहुंच गयी है। वहीं इससे पहले घरलू सीरीज में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली हार के बाद टीम दूसरे नंबर पर खिक गयी थी। अब भारतीय टीम ने बुमराह की कप्तानी में एक बार फिर जबरदस्त वापसी की है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। इसके बाद भी उसे 4 टीमों से टक्कर मिलना तया है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट मैच से पहले भारत के अंक तालिका में 58.33 अंक थे। वह न्यूजीलैंड से 0-3 से हारने के बाद पॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर फिसल गयी थी। वहीं ऑस्ट्रेलिया 62.50 अंक के साथ ही पहले नंबर पर आ गया था पर अंक तालिका में भारतीय टीम नंबर एक पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे नंबर पर खिसका दिया है। भातरीय टीम के अब अंक तालिका में 61.11 अंक जबकि ऑस्ट्रेलिया के 57.69 अंक हो गये हैं।

भारत को हालांकि अब ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ श्रीलंका, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से भी खतरा है। इसका कारण ये है कि ऑस्ट्रेलिया की तरह इन तीनों ही टीमों को एक या दो घरेलू टेस्ट सीरीज खेलनी है.।इस कारण उनके सीरीज जीतने की संभावना बनी रहेगी। अगर न्यूजीलैंड, दक्षिण

अफ्रीका या श्रीलंका अपनी सीरीज में क्लीन स्वीप करें तो वे भारत और ऑस्ट्रेलिया को पहले और दूसरे नंबर से धकेल सकते हैं।

भारत के लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने का आसान रास्ता तो यही है कि वह ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट सीरीज में हराए. इससे वह ऑस्ट्रेलिया से बेहतर स्थिति में बना रहेगा। जीत का यह अंतर 3-0, 3-1 या 4-1 रहे तो बहुत अच्छा.।अगर जीत का अंतर 2-1 या 3-2 रहे या सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही तो भारत तीसरे नंबर पर खिसक सकता है। 2-2 से ड्रॉ होने पर भारत के डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में 55.26 अंक रहेंगे।भारत अगर दूसरी टीमों के प्रदर्शन के समीकरण में नहीं उलझना चाहता तो उसे ऑस्ट्रेलिया से सीरीज जीतनी होगी। अगर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी बराबरी पर रही तो भारत तभी डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलेगा, जब इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को टेस्ट सीरीज ना जीतने दे। इसी तरह पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें दक्षिण अफ्रीका में एक-एक मैच जरूर जीते।. इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका में एक मैच जीते।

दिल्ली कैपिटल्स को सफल बनाना रहेगा लक्ष्य : बदानी

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स के कोच बने हेमांग बदानी का लक्ष्य अपनी टीम को सफल बनाना है। पूर्व क्रिकेटर बादानी ने कहा कि उनके अंदर कोचिंग को लेकर उत्साह है और वह बिना लाइम लाइट में आये काम करना चाहते हैं। बदानी ने कहा कि कोच के तौर पर मैं टीम का प्रभावित कर सकता हूं। साथ ही कहा कि मेरा अंतिम लक्ष्य हमेशा जीत हासिल करना रहेगा। बदानी ने कहा, '' मैंने यहां आने के लिए अपनी योग्यताएं अर्जित की हैं और मुझे वास्तव में लगता है कि आने वाले वर्षों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छे फैसले लेने के साथ अच्छी चीजें कर सकूंगा।''उन्होंने कहा, '' आप बहुत अधिक रणनीति बनाते हुए देखेंगे, आप एक बहुत ही शांत कोच देखेंगे, जो पृष्ठभूमि में काम करता है। मैं बोलने की जगह अपने काम से जवाब देने में विश्वास रखता हूं। मुझे टी20 क्रिकेट में कुछ सफलता मिली है, क्योंकि मुझे सच में विश्वास है कि मुझमें कोचिंग के प्रति जुनून है और मुझे लगता है कि मैं प्रभाव डाल सकता हूं।'' साथ ही कहा, ''मेरा अंतिम लक्ष्य हमेशा जीतना रहा है। दिल्ली कैपिटल्स अब नये कोच और कप्तान निकोलस पूरन के साथ आईपीएल सत्र में उतरेगी।

डिविलियर्स ने यशस्वी को भारतीय क्रिकेट का सुपरस्टार बताया

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के स्टार क्रिकेर रहे एबी डिविलियर्स ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। डिविलियर्स ने कहा कि जिस प्रकार से यशस्वी बल्लेबाजी करते हैं वह क्रिकेट का सुपरस्टार है जो भविष्य में विश्व क्रिकेट में धूम मचा देगा। पर्थ टेस्ट मैच में युवा यशस्वी ने पारी की शुरुआत करते हुए दूसरी पारी मे शानदार शतक लगाया। यशस्वी ने 161 रनों

की बड़ी पारी खेली। उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर भातरीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। अपनी आक्रामक पारी से जायसवाल ने दिखा दिया है कि क्यों उनसे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज डरते हैं। जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर का चौथा शतक जमाकर इतिहास रच दिया। यशस्वी का ऑस्ट्रेलिया की धरती पर यह पहला टेस्ट शतक है। डिविलियर्स ने यशस्वी की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा, मैं यशस्वी को काफी समय से देख रहा हूं, मैंने पहले भी कहा है कि वह भारतीय क्रिकेट का सुपरस्टार है। उसने पर्थ टेस्ट मैच में दिखा दिया है कि वह क्या कर कसता है। डिविलियर्स ने जायसवाल को लेकर आगे कहा कि, जायसवाल में भारतीय क्रिकेट का महान बल्लेबाज बनने की काबिलियत है, उसके अंदर काफी प्रतिभा है और इसे आगे ले जाने और निखारने की जरुरत है। साथ ही कहा कि ऐसे क्रिकेटर को बार-बार अवसर देकर भारतीय क्रिकेट अच्छा कर रहा है। मुझे उनकी बल्लेबाजी को देखकर काफी आनंद आता है। वास्तव में वो भारतीय क्रिकेट के लिए ही नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट के लिए भी महान बल्लेबाज बनने की ओर अग्रसर है ।साथ ही कहा कि जायसवाल ने दिखा दिया कि उन्हें लोग भविष्य का सुपरस्टार मानते हैं।

नटराजन की भरपाई कोई नहीं कर सकता, सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच का बड़ा बयान

जेद्दा (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी आईपीएल की बड़ी नीलामी के पहले दिन इशान किशन को अपने साथ जोड़कर सबसे ज्यादा उत्साहित थे लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि टी नटराजन का दिल्ली कैपिटल्स के पास जाना उनके लिए नुकसान था। मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले किशन को रविवार को सनराइजर्स ने 11 करोड़ 25 लाख रुपये में खरीदा।

बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए यह साल उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट खेलने के बोर्ड के आदेश की अवहेलना करने के कारण भारतीय टीम में अपनी जगह के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का केंद्रीय अनुबंध भी खो दिया। हालांकि उनकी रणजी ट्रॉफी में वापसी हुई है। सनराइजर्स ने नीलामी के पहले दिन तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी (10 करोड़ रुपए) और हर्षल पटेल (आठ करोड़ रुपए) सहित आठ खिलाड़ियों को खरीदा। हालांकि वे टी नटराजन को वापस नहीं खरीद पाए और विटोरी ने कहा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के नुकसान की भरपाई कोई नहीं कर सकता।

नीलामी से पहले सनराइजर्स ने कप्तान पैट कमिंस, ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन और नितीश रेड्डी सहित पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया था। विटोरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'नट्टू (नटराजन) के जाने की भरपाई कोई नहीं कर सकता (मुस्कुराते हुए)। हर टीम इससे गुजरती है, चाहे आप खिलाड़ियों को जल्दी से जल्दी खोजने की कोशिश करें और मौकों पर झपटें या फिर आप आखिरी मौके का इंतजार करें।'

नटराजन को दिल्ली कैपिटल्स ने 10.75 करोड़ रुपए में खरीदा। विटोरी ने कहा, 'हमने आज मौका मिलने पर उसे अपने पक्ष में करने का फैसला किया और मोहम्मद शमी उनमें से एक थे और फिर हर्षल पटेल, वे दो ऐसे खिलाड़ी थे जिनके बारे में हमने सोचा भी नहीं था कि वे इन कीमतों (कम कीमत) पर बिकेंगे। और फिर इशान किशन हमारे लिए बहुत बड़ी डील थी। हम उसे अपने साथ जोड़ना चाहते थे और हमें लगा कि वह अधिक कीमत पर बिकेगा। इसलिए इन तीन खिलाड़ियों और बाकी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ने की खुशी है।'

विटोरी भारत के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए कोचिंग की अपनी जिम्मेदारी से समय निकालकर नीलामी के लिए आए हैं। विटोरी ने कहा कि चुने गए खिलाड़ियों से कप्तान कमिंस सहमत हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व स्पिनर ने कहा, 'हां, हां

(कमिंस से सुझाव) मिले थे। आज रात कप्तान दुखी था (पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के पीछे रहने का जिक्र करते हुए), उसके लिए एक कठिन दिन था। मैंने आज (रविवार) सुबह उससे बात की और उसने उन खिलाड़ियों के तर्क को समझा जिन्हें हमने चुना था और फिर उसके पास बाकी टीम को तैयार करने के लिए कुछ विचार थे।'

हाओ रान ने ग्वांगडोंग-हांगकांग-मकाओ रोड साइकिलिंग रेस जीती

झुहाई। अगले वर्ष होने वाले 15वें चीनी राष्ट्रीय खेलों के लिए एक परीक्षण कार्यक्रम, 2024 ग्वांगडोंग-हांगकांग-मकाओ रोड साइकिलिंग रेस, रविवार को यहां इनर मंगोलिया के हाओ रान के खिताब जीतने के साथ संपन्न हुई। 230 किलोमीटर की यह रोमांचक रेस, जिसमें हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज को पार करना भी शामिल था, झुहाई संग्रहालय के बाहर शुरू हुई और यहीं पर आकर समाप्त हुई। 67 एथलीटों ने मकाओ में प्रवेश करने से पहले झुहाई में 17 किलोमीटर की राइड के साथ शुरुआत की। इसके बाद वे हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज को पार करके हांगकांग पहुंचे, हांगकांग डिजनीलैंड में वापस लौटे और हेंगकिन द्वीप के चारों ओर तीन चक्कर पूरे करते हुए झुहाई वापस लौटे। अंतिम दो किलोमीटर में, हाओ ने बढ़त हासिल की और 5 घंटे, 15 मिनट और 18 सेकंड के समय के साथ अपनी जीत सुनिश्चित की। शेडोंग के मियाओ चेंगशुओ दूसरे स्थान पर रहे, दोनों राइडर्स ने लगभग समान समय में फिनिश लाइन पार की। तियानजिन के वांग रुइदोंग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। हाओ ने अपनी जीत के बाद कहा, यह पहली बार था जब मैंने समुद्री पुल पर 60 किलोमीटर से अधिक की राइड की। प्रकृति की विशालता का अनुभव करना वास्तव में विस्मयकारी था। पुल पर साइड विंड कठिन थे, लेकिन कई क्षेत्रों को पार करना इसे और भी रोमांचक बनाता है। हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज दुनिया का सबसे लंबा क्रॉस-सी ब्रिज है, जो ग्वांगडोंग प्रांत को हांगकांग और मकाओ से जोड़ता है। हांगकांग और मकाओ दोनों ने ही तीन-तीन एथलीट प्रतियोगिता में भेजे। विन्सेंट वान याउ लाउ हांगकांग के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता रहे, जो आठवें स्थान पर रहे। हांगकांग टीम के मुख्य साइकिलिंग कोच हर्वे डागोर्न ने आयोजकों की खूब प्रशंसा की। फ्रांस और कजाकिस्तान की राष्ट्रीय टीमों का प्रबंधन करने वाले डागोर्न ने कहा, मैंने जो देखा वह एकदम सही था। मैं अगले साल के बारे में बिल्कुल भी चिंतित नहीं हूं। यह निश्चित रूप से एक बेहतरीन संगठन होगा। पुरुषों की रोड साइक्लिंग स्पर्धा एकमात्र प्रतियोगिता है जो अगले वर्ष के राष्ट्रीय खेलों के लिए तीन सह-मेजबानों गुआंग्डोंग, हांगकांग और मकाऊ के बीच होगी, जो 9 से 21 नवंबर, 2025 के बीच आयोजित होंगे।

मुशफिकुर वेस्टइंडीज वनडे के लिए उपलब्ध नहीं, नजमुल का खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अधिकारियों ने रविवार को कहा कि अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं हैं, जबकि कप्तान नजमुल हुसैन का खेलना भी संदिग्ध है। दोनों ही खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए थे, क्योंकि वे अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान लगी चोटों से उबर रहे हैं। यूएई में तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में अफगानिस्तान की पारी के अंत में, विकेटकीपिंग करते समय मुशफिकुर को बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लग गई थी और मैच के बाद एक्स-रे में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके कारण उन्हें चार से छह सप्ताह तक मैदान से बाहर रहना पड़ा। दूसरे वनडे में, नजमुल को फील्डिंग करते समय कमर में चोट लग गई और मैच के बाद उनका स्कैन किया गया, जिसमें पता चला कि उनके बाएं कमर में ग्रेड-2 खिंचाव है। नतीजतन, वे वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हिस्सा नहीं ले सके। बीसीबी के एक अधिकारी ने क्रिकबज को बताया, जहां तक मुशफिकुर का सवाल है, मुझे नहीं लगता कि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में खेल पाएंगे, क्योंकि उन्हें ठीक होने के लिए और समय चाहिए। उन्होंने कहा, हम अपनी टीम की घोषणा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि हम अपने नियमित कप्तान नजमुल की प्रगति देख रहे हैं और यह देखने के लिए समय ले रहे हैं कि वह खेल पाते हैं या नहीं। उन्होंने कहा, हम उनके साथ कोई जोखिम नहीं ले सकते, क्योंकि यह कमर की चोट है और अगर वह वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे खेलने से इसे और नुकसान पहुंचाते हैं, तो उस स्थिति में उन्हें एक से डेढ़ महीने तक क्रिकेट से बाहर रहना पड़ सकता है और यह काफी विनाशकारी हो सकता है, क्योंकि हमारे पास चैंपियंस ट्रॉफी है, लेकिन मुझे लगता है कि वह अच्छी प्रगति कर रहे हैं।

भुवनेश्वर कुमार के लिए भिड़ी तीन टीमें, अब विराट कोहली के साथ आरसीबी में खेलेंगे भुवी

मुम्बई। आईपीएल मेगा ऑक्शन के दूसरे दिन गेंदबाजों की काफी डिमांड देखने को मिली। अनुभवी भारतीय गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को आरसीबी ने 10.75 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। दरअसल, भुवी को लेकर तीन टीमों के बीच

गहमा-गहमी देखने को मिली। उनके लिए तीन टीमों ने एक के बाद एक बोली लगाई और दो करोड़ की बेस प्राइस देखते ही देखते आठ करोड़ के ऊपर पहुंच गई। आखिर में आरसीबी को कामयाबी मिली और उन्होंने उन्हें अपनी टीम में शामिल कर लिया। भुवनेश्वर कुमार के लिए पहली बोली मुंबई इंडियंस ने लगाई। इसके तुरंत बाद लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम भी नीलामी में कूद पड़ी। लखनऊ सुपर जायंट्स टीम बोली को 10 करोड़ रुपये तक ले गई। इसके बाद मुंबई थोड़ी रुकी, हालांकि, उन्होंने बोली को बढ़ाकर 10.50 कर दिया। इसके बाद आरसीबी की टीम ने 10.75 करोड़ रुपये की बोली लगाई। यही भुवनेश्वर कुमार के लिए बोली रही और वह आरसीबी का हिस्सा बन गए। भुवनेश्वर पिछले साल 2025 तक सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते थे। लेकिन इस बार हैदराबाद ने उन्हें रिलीज कर दिया। वहीं नीलामी में भी हैदराबाद ने उनमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। जिसके बाद वह आरसीबी के खेमे में आ गए। हालांकि, भुवी के हैदराबाद से जाने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के फैंस उन्हें काफी मिस कर रहे हैं।

मैं खुद को मुश्किल परिस्थितियों में रखना चाहता हूं: बुमराह

पर्थ (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह ने सोमवार को कहा कि उन्हें कप्तान और गेंदबाज के रूप में कठिन परिस्थितियों में दबाव झेलने में मजा आता है और इससे टीम के कम अनुभवी खिलाड़ियों का काम काफी आसान हो जाता है। बुमराह ने पर्थ टेस्ट मैच में आठ विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। वह इस मैच के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज साबित हुए।

भारत ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से करारी शिकस्त दी। बुमराह ने यहां मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब परिस्थितियां मुश्किल होती है तो मैं इस बारे में सोचता हूं कि मैं किस तरह से योगदान दे सकता हूं। यह तब भी होता है जब मैं टीम का नेतृत्व नहीं कर रहा होता हूं। ऐसे में जब भी मुश्किल परिस्थिति आती है तो मैं उसका जवाब ढूंढने की कोशिश करता हूं। मैं खुद को मुश्किल परिस्थितियों में रखकर सहज रहता हूं।''

हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे युवा खिलाड़ियों में भी बुमराह की इस सोच का प्रभाव दिखा और पदार्पण करने वाले ये इन दोनों युवा ने यहां के ऑप्टस स्टेडियम में अहम मौके पर शानदार योगदान दिये।

बुमराह ने कहा, '' मैं खुद को उस कठिन परिस्थिति में डालने की कोशिश कर रहा था ताकि नये खिलाडियों का काम आसान हो सके। आप जानते हैं अपने शुरुआती मैचों अधिक जिम्मेदारी लेना बहुत आसान नहीं है।''

उन्होंने कहा, '' मैं मैच में उनसे दबाव कम करने की कोशिश कर रहा था और मुझे खुशी है कि उनका रवैया सकारात्मक रहा।'' इस ऐतिहासिक जीत के बावजूद बुमराह एडिलेड टेस्ट में टीम का नेतृत्व नहीं करेंगे क्योंकि नियमित कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया पहुंच गये है। बुमराह से जब कप्तान छोड़ने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने चुटिले अंदाज में कहा, ''मैं उन्हें बताऊंगा कि मैं आसानी से इसे छोड़ने वाला नहीं हूं।''

इस 30 साल के खिलाड़ी ने कहा, '' मैं ने इस मसले पर पहले भी कहा है कि वह (रोहित) शानदार कप्तान है और उनका काम शानदार रहा है। मैं बस उनकी जगह की भरपाई कर रहा था।'' बुमराह ने कहा, '' जब वह भारत में थे तो चर्चा हुई थी। हम ने टीम को लेकर काफी बातचीत की है। मैं उसकी हर संभव मदद करने के लिए तैयार हूं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ठंड के मौसम में डैंड्रफ से हैं परेशान तो इन आसान उपाय को अपनाकर पाएं छुटकारा

ठंड के मौसम में डैंड्रफ होने की समस्या आम हो जाती है। ये सिर्फ हमारे बालों को नुकसान ही नहीं पहुंचाती बल्कि शर्मिंदा भी करती है। इसे दूर करने के लिए कैमिकल युक्त शैम्पू, कंडीशनर का ज्यादा इस्तेमाल करने के बजाय कुछ अन्य उपाय किए जाएं, तो बालों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है आइए जानते हैं कुछ टिप्स.

नारियल का तेल

नारियल का तेल रूसी के लिए एक बेहतरीन उपाय है। नहाने से पहले 4-5 चम्मच नारियल के तेल से मालिश करें और 1-2 घंटे बाद बालों को धो लें। रातभर लगाकर भी छोड़ सकते हैं। इससे डैंड्रफ में राहत मिलती है। ऐसा शैम्पू भी इस्तेमाल कर सकते है जिसमें नारियल तेल हो।

शैम्पू करने से पहले डैड्रफ को साफ करने के लिए नमक बहुत कारगर है। नमक को स्कैल्प पर डालकर हल्कें हाथों से रगड़ें इससे मृत त्वचा निकलने लगेगी। कुछ देर रगड़ने के बाद शैम्पू कर लें। आप पाएंगे कि डैंड्रफ पहले से काफी कम हो रहे है। जब भी शैम्पू करें इस प्रक्रिया को अपनाएं कुछ ही समय में डैंड्रफ से काफी हद तक छुटकारा मिल जाएगा।

नींबू का रस

दो चम्मच नींबू के रस को अपने बालों के स्कैल्प पर रगड़कर इससे अच्छी तरह से मालिश करें। फिर एक कप पानी में एक नींबू का रस मिलाएं अब इस पानी से अपने बालों को साफ करें। ऐसा आप हफ्ते में 3 बार करें।

नारियल और नींबू का रस

नारियल के तेल में एक चम्मच नींबू का रस डालकर इन्हें हल्का गर्म कर लें। अब इस तेल से अपने बालों की मसाज करें। फिर शैम्पू से अपने बालों को धो लें। ये प्रक्रिया आप हफ्ते में कम से कम 2 बार जरूर करें।

कामकाजी महिलाओं को हमेशा रखना चाहिए इन बातों का ध्यान

शादी के बाद एक लड़की को अपने पति से ही नहीं बल्कि अपनी सास-ससुर से भी अच्छा तालमेल बनाने की जरूरत है। लेकिन तब क्या हो जब आप घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के चलते बिल्कुल भी समय नहीं निकाल पा रही हों।

वो जमाना गया जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर ही अपना पूरा जीवन काट देती थीं। आज की महिलाएं न केवल अपने अधिकारों को लेकर स्वतंत्र हैं बल्कि पुरुषों की तरह घर से बाहर निकल अपनी एक अलग पहचान बनाने में भी कामयाब हो रही हैं। हां, वो बात अलग है कि लाख-पढ़ी लिखी होने के बाद भी लड़कियों को ससुराल जैसी पारंपरिक भूमिकाओं से गुजरना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें न केवल अपने पति के दिल में जगह बनानी होती है बल्कि अपने सास-ससुर संग एक अच्छे रिश्ते की शुरूआत करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी में से एक है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत कामकाजी महिलाओं के साथ है, जिन्हें हर पल इस बात की चिंता सताती रहती है कि घर और ऑफिस के बीच क्या वह अपनी संतुलन भूमिकाएं निभा भी पाएंगी या नहीं?

खैर, हम इस तर्क-वितर्क से किसी नतीजे पर पहुंचें उससे पहले आपको बता दें कि जहां कुछ महिलाओं ने एक संयुक्त परिवार में रहने के कई दोष बताएं हैं तो वहीं इसके विपरीत कई कामकाजी महिलाओं का ऐसा कहना है कि एक संयुक्त परिवार में रहना आपके लिए एक मजबूत समर्थन बन सकता है बशर्ते आपको काम और घर के बीच बैलेंस बनाना आता हो। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि कम समय में ही आप सभी की लाडली बन जाए तो आपको इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

काम के साथ घर को भी प्राथमिकता

हम इस बात को अच्छे से समझते हैं कि एक लड़की के लिए उसका करियर कितना महत्व रखता है लेकिन शादी के बाद आपको यह भी समझना चाहिए कि अब आप अकेले नहीं है आपका अपना एक परिवार है, जिसके हिसाब से भी अब आपको चीजों को मैनेज करना होगा। शादी से पहले जहां घंटों-घंटों आप ऑफिस में काम करती थीं तो वहीं अब आपको अपने परिवार के लिए भी समय निकालना होगा साथ ही साथ घर खर्च के हिसाब से लेकर पार्टनर के माता-पिता की देखरेख करने तक आपको कई बातों को भी ध्यान रखना होगा।

सुनें और समझें

अगर आप वाकई में चाहती हैं कि आप काम के साथ-साथ अपने परिवार की भी लाडली बनी रहीं तो सबसे पहले बातों को सुनने और समझने की आदत डालें। ऐसा करने से न केवल आप अपने सास-ससुर के मन की बातों को जान पाएंगी बल्कि वह भी आपके काम के महत्व को समझेंगे। यही नहीं, अपने परिवार के हर सदस्यों को जानने की कोशिश करें। यही नहीं, साथ ही साथ उन्हें यह भी बताएं कि घर की जिम्मेदारी को निभाने में आपके लिया क्या संभव है और क्या नहीं।

पति से हो खुलकर बातचीत

किसी ने ठीक ही कहा है कि सबसे अच्छी शादी वह होती है जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त हों। अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ प्यार करने से बेहतर कुछ भी नहीं है। ऐसे में कोशिश करें कि आप और आपके पति के बीच एक स्वस्थ दोस्ती का रिश्ता हो। इसके बाद आपको अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुद फर्क समझ आ जाएगा। वह न केवल आपको समझेंगे बल्कि आपको घर-परिवार की जिम्मेदारी का एहसास होगा।

पहली मुलाकात में जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहां-वहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या? आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्प्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की-सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

कुर्ते से लगें स्मार्ट

कुर्ते आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने पहले थे। बस, इसकी स्टाइल में थोड़ा बदलाव जरूर देखने को मिल रहा है। आजकल पाकिस्तानी सूट ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। लड़कियां जोधपुरी शैली के सलवार कुर्ते भी बनवाना पसंद करती हैं। ये कुर्ते ढीले-ढाले और कई रंगों में उपलब्ध होते हैं। आम तौर पर लोगों की राय है कि आज के आधुनिक युग में लड़कियां जींस आदि पहनना ही पसंद करतीं हैं और सलवार कुर्ते तथा अन्य पारंपरिक कपड़ों का चलन कम हो रहा है, लेकिन फैशन डिजाइनरों की राय इससे अलग है। उनका कहना है कि आज भी लड़कियां सलवार कमीज बनवाना पसंद करतीं हैं और अब तो इसमें रेट्रो फैशन की झलक भी देखने को मिल रही है। आजकल तो लड़कियां जींस के साथ भी लांग और शार्ट कुर्ते पसंद करतीं हैं। सलवार के साथ शार्ट कुर्ते या अनारकली स्टाइल के कुर्ते ज्यादा देखे जा रहे हैं। संगीता का कहना है कि कुर्ते को जींस, लेगिंस और जेगिंस, मतलब डेनिम स्टाइल की जींस की तरह दिखने वाली सलवार के साथ पहनने का फैशन काफी प्रचलन में है। केवल सलवार कमीज ही नहीं, दुल्हन के लहंगों में भी आधुनिकता और पारंपरिकता का मिश्रण देखने को मिल रहा है। सलवार कमीज का जादू कुछ और ही होता है। इस आउटफिट में थोड़ी सी तब्दीली करते ही इसे इंडो वेस्टर्न लुक दिया जा सकता है। आइए जानते हैं सलवार-कुर्ते से जुड़े कुछ टिप्स-

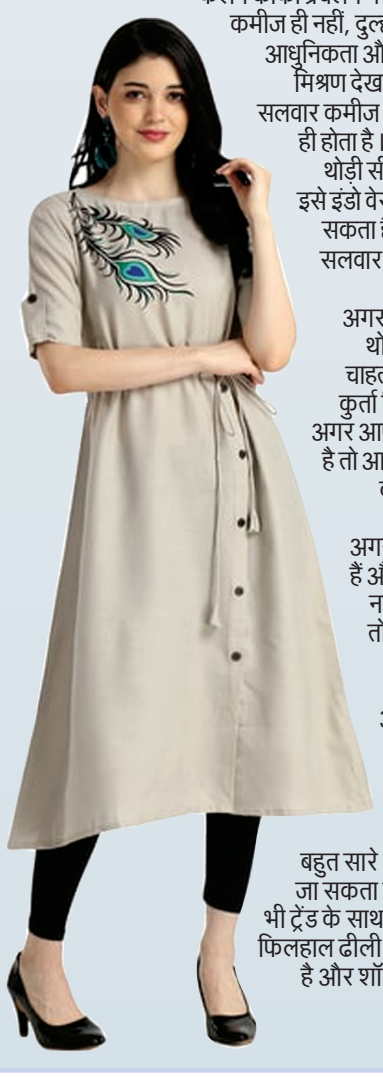

अगर आप अपनी हाइट थोड़ी ज्यादा दिखाना चाहती हैं, तो थोड़ा लंबा कुर्ता सिलवाएं। मसलन अगर आपकी हाइट 5'3'' है तो आपको 47-48 इंच का कुर्ता सिलवाना चाहिए।

अगर आपके हाथ मोटे हैं और आप स्लीवलेस नहीं पहन सकती हैं, तो 5 इंच की स्लीव्स बनवा लें। इससे आपके हाथ का अतिरिक्त मांस भी छिप जाएगा और आपके हाथ दुबले दिखेंगे। सलवार को बहुत सारे स्टाइल्स में पहना जा सकता है। इनका स्टाइल भी ट्रेंड के साथ बदलता रहता है। फिलहाल ढीली सलवार फैशन में है और शॉर्ट कुर्ते ने एक बार फिर एंट्री की है।

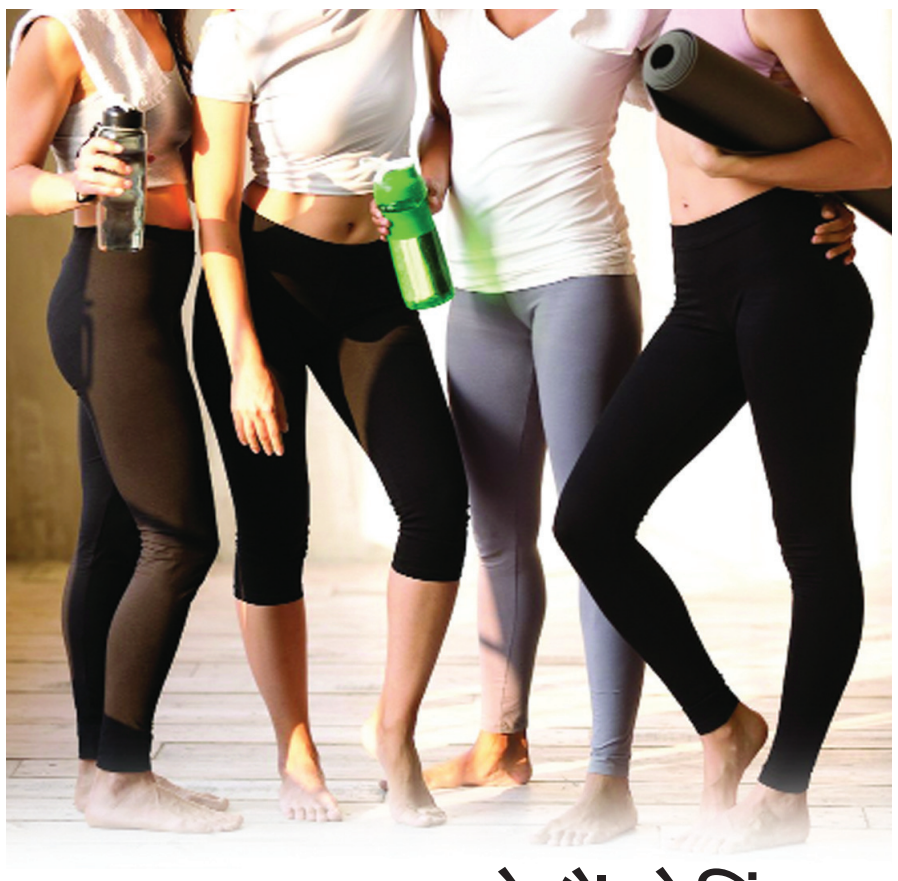

क्या आप जानते हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका

जब भी कम्फर्ट की बात आती है तो सबसे पहले हम लेगिंग्स के बारे में सोचते हैं, क्योंकि लेगिंग्स काफी आरामदायक होती है। लेकिन इसे पहनने में हम कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं जिसके कारण हम हंसी के पात्र बन जाते हैं।

क्या आप जानती हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका? अगर हां तो यह बहुत बढ़िया बात है और यदि आपका जवाब ना है तो इस लेख को पढ़कर आप इस बारे में पूरी जानकारी पा सकते हैं।

हमने अक्सर ऐसी कुछ महिलाओं को देखा है, जो लेगिंग्स के साथ क्रॉप टॉप ट्राई कर लेती हैं। लेकिन यदि आप भी ऐसी गलती करती हैं तो इसे छोड़ दें, क्योंकि लेगिंग्स के साथ कभी भी क्रॉप टॉप नहीं पहना जाता। यह दिखने में बहुत भद्दा लगता है। ये तो बात हुई क्रॉप टॉप कि लेकिन अगर आप छोटे टॉप पर लेगिंग्स पहनने का विचार कर रही हैं तो इसे बिलकुल भी ट्राई न करें, भले ही आप कितनी भी स्लीम ट्रीम क्यों न हों, पर छोटे टॉप के साथ लेगिंग्स की यह स्टाइल आप पर बिलकुल अच्छा नहीं लगेगी। आपको ऐसी अंडरवियर पहनना चाहिए जिसमें हेमलाइन लेगिंग्स के ऊपर नजर न आए। ऐसे लेगिंग्स पहनने में बहुत अजीब सा लगता और आप इसमें कम्फर्टेबल भी नहीं रह सकती हैं।

प्रिंटेड लेगिंग्स को न करें ट्राई

आप प्रिंटेड लेगिंग्स ट्राई न ही करें तो बेहतर है, क्योंकि ये पहनने में बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते। इसलिए अगर आप लेगिंग्स लेने जा रही हैं, तो प्रिंटेड लेगिंग्स न ही लें तो बेहतर है।

पाएं हाई हील्स की तकलीफ से छुटकारा

अधिकतर लड़कियां हिल्स पहनना तो चाहती है, लेकिन उन्हें लगता है कि इसे पहनना काफी तकलीफभरा हो सकता है, लेकिन एक अच्छी और स्टाइलिश ड्रेस के साथ हिल्स काफी अच्छी लगती है पर पैरों की तकलीफ के कारण इसे नहीं चुनते हैं। लेकिन हम यहां आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे है जिन्हें अपनाकर आप हाई हिल्स में कंफर्टेबल हो सकती है हम ये नहीं कहते कि हिल्स में आप बहुत आरामदायक महसूस करेंगी लेकिन कुछ टिप्स को अपनाकर आप हाई हिल्स पहनने से होने वाली दिक्कतों से बच सकती हैं.तो आइए, जानते हैं कि हाई हील्स पहनने के दौरान होने वाली परेशानी को आप कैसे कम कर सकती हैं

सैंडिल के सही साइज का चुनाव करें

हील्स वाली सैंडिल में आपके पैर आगे की ओर पुश होते हैं, ऐसे में अपने लिए सही साइज की सैंडिल का चुनाव करें।

अपना फुट टाइप पहचानें

सभी के फुट अलग-अलग होते हैं, किसी के पैर के पंजे चौड़े तो किसी के पतले होते हैं। अपने पंजे के अनुसार सैंडिल के आगे की डिजाइन चुनें, जिससे कि आपके पैर आगे से दबे नहीं।

मोटी हील को प्राथमिकता दें

मोटी हील आपके पैरों को ज्यादा कवरेज और सपोर्ट देती हैं। इसे पहनने से आपकी एड़ियों पर कम दबाव पड़ेगा, जिससे पैरों में दर्द भी कम होगा।

ब्रेक लें

पार्टी व किसी खास अवसर पर ही हाई हील्स पहनें। यदि इसके अलावा भी पहनें तो कभी-कभी फ्लेट चप्पल पहनें और अपने पैरों को थोड़ा ब्रेक दें।

हील की पोजीशन का ख्याल रखें

आपके जूते ऐसे होने चाहिए जिसमें बॉडी का भार पंजों और हील दोनों पर रहे। वरना पंजो या फिर हील पर ज्यादा प्रेशर पड़ेगा। ऐसा होने पर पैरों में दर्द शुरू हो सकता है। इसलिए हील की पोजीशन का ख्याल जरूर रखें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओडिशा के बेरहामपुर में पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी

बेरहामपुर। ओडिशा के गंजाम जिले में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कांस्य प्रतिमा स्थापित होगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसकी जानकारी दी। भाजपा विधायक अनिल कुमार ने बेरहामपुर के रामलिंगम पार्क में परियोजना की आधारशिला रखी। प्रतिमा की कुल ऊंचाई 17 फुट होगी, जबकि इसका आधार 6.5 फुट होगा। कुमार ने कहा कि प्रतिमा के लिए करीब 20 लाख रुपये की जरूरत होगी और इस उनके स्थानीय क्षेत्र विकास (एलएडी) कोष से खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर प्रतिमा का अनावरण करने की योजना बना रहे हैं।

गूगल मैप के सहारे अधूरे फ्लाईओवर पर दौड़ा दी कार, नदी में गिरने से तीन लोगों की मौत

बरेली। वर्तमान में यहां फिर कभी भी तकनीक पर विश्वास करना ठीक है, लेकिन अति विश्वास करना ठीक नहीं हैं। इसी अति विश्वास का शिकार बरेली में तीन लोग हो गए। दरअसल बरेली जिले में दुखद घटना घटी, जहां एक अधूरे फ्लाईओवर से एक कार गहरी खाई में गिर गई, इसमें तीन लोगों की मौत हुई। यह घटना शनिवार को हुई, जब दो व्यक्ति, विवेक और अमित और अन्य, गुरुग्राम से शादी के लिए बरेली जा रहे थे। वे दिशा-निर्देशों के लिए गूगल मैप्स का उपयोग कर रहे थे, जो अधूरे फ्लाईओवर से होकर दूरी तक पहुँचने का सबसे तेज मार्ग दिखा रहा था। पुलिस ने बताया कि बरेली जिले में तीन लोगों की मौत हुई, जब गूगल मैप पर उनकी कार गलत तरीके से निर्माणाधीन पुल पर ले गई और कार नदी में गिर गई। पीड़ितों में से दो की पहचान विवेक और अमित के रूप में हुई, जिन्होंने गुरुग्राम से अपनी यात्रा शुरू की और एक शादी में शामिल होने के लिए बरेली जा रहे थे। वे लोग समारोह स्थल तक पहुँचने के लिए गूगल मैप्स पर निर्भर थे, तभी उनका जीपीएस उन्हें अधूरे फ्लाईओवर पर ले गया। लोगों ने अगली सुबह क्षतिग्रस्त कार और तीनों लोगों को मृत पाया। उन्होंने पुलिस को सूचित किया, जो घटनास्थल पर पहुँची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले गई। पुलिस ने बताया, आज सुबह 9:30 बजे रामगंगा नदी पर एक क्षतिग्रस्त कार मिली। पुलिस को सूचना दी गई और वह मौके पर पहुंची। र अधूरे पुल पर जा गिरी और वहां से नदी में गिर गई।

गोरखपुर में भीड़ ने थानेदार और सिपाही को बंधक बनाकर पीटा

गोरखपुर। यहां दो पक्षों के विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर आरोपियों ने हमला कर दिया। भीड़ ने चौकी इंचार्ज (दारोगा) और सिपाही को बंधक बनाकर पीटा। पिटाई से चौकी इंचार्ज बेहोश हो गए। मौके पर पहुंची थाने की पुलिस ने उन्हें भीड़ के चंगुल से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के कनहौली गांव में रविवार की सुबह दो पट्टीदारों के बीच गाड़ी आगे-पीछे करने को लेकर विवाद हो गया। मामला गाली-गलौज तक पहुंचा तो एक पटीदार श्रवण यादव ने 112 नंबर पर फोन कर पुलिस बुला ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह दोनो पक्षों को समझा बुझाकर शांत करा दिया। हालांकि शाम होते होते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने इकट्ठे हो गए। दोनों तरफ से जम कर ईंट-पत्थर चलने लगे तो श्रवण यादव ने इसकी सूचना पुलिस चौकी पर दी गई।आरोप है कि चौकी इंचार्ज (दारोगा) अपने हमराही के साथ जैसे ही उक्त स्थल पर पहुंचे, श्रवण पक्ष के लोगों ने पुलिस पर लेट पहुंचने और लापरवाही का आरोप लगाते हुए विवाद शुरू कर दिया। भीड़ ने चौकी इंचार्ज सहित कांस्टेबल को जमकर पीट दिया। भीड़ उन्हें एक कमरे में ले गई और बंधक बना लिया। किसी ने इसकी सूचना स्थानीय थाने को दी। मौके पर पहुंची पुलिस फोर्स ने बमुश्किल दोनों पुलिसकर्मियों को हमलावरों के चंगुल से बाहर निकाला।

34 करोड़ की कोकीन तस्करी का संदिग्ध मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने हाल ही में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर किए एक कार्रवाई में सिएरा लियोन से आए एक लायबेरियन नागरिक को हिरासत में लिया। बताया गया है कि उक्त यात्री का ट्रॉली बैग असामान्य रूप से भारी पाया गया और डीआरआई अधिकारियों ने बैग का जब गहन निरीक्षण किया तब ट्रॉली बैग के निचले डिब्बे में सफेद पाउडर वाले दो पाउच पाए गए। प्रयोगशाला परीक्षणों से पता चला कि यह कोकीन है। इसका कुल वजन 3496 ग्राम है और बाजार में इसकी कीमत 34.96 करोड़ रुपये है। संबंधित यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

लॉरेंस विश्नोई के नाम पर मांगे 50 लाख, नहीं देने पर जान से मारने की धमकी

भरतपुर। शहर के कुम्हेर गेट निवासी विवेक शर्मा को लॉरेंस विश्नोई गैंग के द्वारा 50 लाख रुपए की रंगदारी की मांग के बाद धमकी मिलने की घटना चर्चा में है। पीड़ित ने कॉल और मैसेज में अजनबी नंबर से धमकी के साथ मांग प्राप्त की थी। विवेक शर्मा ने इस मामले को लेकर कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए काम कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला लॉरेंस विश्नोई गैंग के पाठक्रम से भिन्न है, क्योंकि इस घटना में भारतीय नंबर से संपर्क किया गया है। पुलिस ने लोगों को सुरक्षित महसूस कराने के लिए आश्वासन दिया है कि आरोपी शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा। इस घटना से शहर में दहशत का माहौल है, लेकिन पुलिस ने जनता को सावधान रहने की अपील की है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच कर रहे विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा और पूरे मामले का सच सामने आएगा। इसके बाद, लोगों को फिर से शहर में निर्भीकता की भावना महसूस होगी।

साधू संतो का अभियान ही अब करेगा देश में नव चेतना का जागरण

महोबा (एजेंसी)। हिन्दुओं की एकता के लिए बागेश्वर धाम से ओरछा की पदयात्रा पर निकले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने आज कहा की भारत वर्ष में हिन्दुओ को जाति के आधार पर बांटने वालों की कुत्सित मानसिकता के खिलाफ साधू संतो का अभियान देश में परिवर्तन की नई चेतना का जागरण करेगा.यह अभियान एक सौ पचास करोड़ लोगो को एक सूत्र में बाँधने की कवायद के साथ इस देश को आपस में जोड़ने का मंत्र भी है.

सोमवार को उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के अशोक नगर में प्रवेश पर हजारों लोगो की भीड़ के साथ यात्रा पर पहुंचे धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा की उनकी सनातानी हिन्दू यात्रा को लेकर तरह -तरह की बाते लोगो द्वारा भले की जा रही है लेकिन यह सही नहीं है. यह यात्रा तमाम जातियों में बटे हिंदू को एक मंच पर लाने की कवायद है.जिन्हे विभाजित करके कतिपय लोगो द्वारा लाभ लिया जा रहा है. कुछेक राजनैतिक दल इस दिशा में बीते कई सालो से अपनी योजना को अंजाम दे रहे है. लेकिन उन्हें सफलता नही मिल रही है जिससे वह बैचेन है.

धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा की बागेश्वर धाम से 21 नवम्बर को शुरू होकर 29 नवम्बर को सम्पन्न होने वाली सनातानी हिन्दू यात्रा एक प्रयोग है. जल्द ही पूरे देश में साधू संतो द्वारा इस प्रकार की अन्य कई यात्राएं निकाल कर हिन्दू को एकजुट करने का कार्य किया जाएगा. देश में सनातन बोर्ड की स्थापना की लड़ाई का क्रम जारी रहेगा. पचास हज़ार से ऊपर भीड़ के साथ चल रहे धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने पर महोबा जिले के अशोक नगर में भारी संख्या में समर्थको ने जोरदार तरीके से स्वागत किया. मध्य प्रदेश पुलिस ने भी इस दौरान उनकी सुरक्षा व्यवस्था को उत्तर प्रदेश पुलिस को हेंड ओवर किया.

पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के साथ यात्रा में सुप्रसिद्ध कथा वाचक अनिरुद्धराचार्य और अयोध्या की हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास आज मौजूद रहे. धीरेन्द्र शास्त्री ने सवालों के जवाब में यूपी के सम्भल में हुये उपद्रव पर कानून तोड़ने वालों के खिलाफ विधिक कार्यवाही और आर एस एस सुप्रीमो मोहन भागवत के बयान की हिन्दुओ को सभी मस्जिदों के भीतर शिव लिंग न देखने की बात पर उनकी निजी टिप्पणी करार देते हुये कुछ भी कहने से इंकार किया.

अडानी समूह से तेलंगाना सरकार नहीं लेगी 100 करोड़ रुपए का दान! सीएम रेवंत रेड्डी ने किया ऐलान

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी के राज्य में स्थापित की जा रही यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी के लिए 100 करोड़ का दान पर रोक लगा दी है। रेड्डी ने दान को रोकने के निर्णय के लिए प्रारंभिक घोषणा के बाद बढ़ती 'अनावश्यक चर्चाओं' का हवाला दिया। रेड्डी के हवाले से कहा गया कि यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि अडानी की घोषणा ने अनावश्यक चर्चाओं को जन्म दिया कि यदि दान स्वीकार किया गया तो यह राज्य सरकार या सीएम का पक्ष ले सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तेलंगाना सरकार ने अदानी समूह सहित किसी भी संगठन से एक भी रुपया अपने खाते में स्वीकार नहीं किया है। रेड्डी ने कहा कि मैं और मेरे मंत्रिमंडल के सहयोगी ऐसी अनावश्यक चर्चाओं और स्थितियों में शामिल नहीं होना चाहते हैं, जिससे राज्य सरकार या मेरी छवि को नुकसान पहुंचे। इसीलिए राज्य सरकार की ओर से हमारे अधिकारी जयेश रंजन ने अदाणी को एक पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि पत्र में लिखा है कि (वर्तमान) स्थिति और विवादों के कारण, तेलंगाना सरकार आपके (अदाणी) द्वारा उदारतापूर्वक दिए गए 100 करोड़ रुपये के दान को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। रेड्डी ने बताया कि पत्र में अदाणी फाउंडेशन से स्पष्ट रूप से अनुरोध किया गया है कि वह विश्वविद्यालय को 100 करोड़ रुपये हस्तांतरित न करें।

ईवीएम को हैक किया जा सकता है इसलिए मतपत्रों से हो चुनाव: हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की कार्यप्रणाली पर संदेह को दूर करने के लिए मतपत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए क्योंकि तकनीक को हैक किया जा सकता है। सुक्खू ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'ईवीएम निर्माताओं ने उत्पादन बंद कर दिया है और अगर उनके कामकाज पर संदेह है तो आम जनता की मांग पर मत पत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए।'

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति गठबंधन ने 288 में से 230 सीट पर जीत हासिल की थी, जिसके कुछ दिनों मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी की। चुनाव में विपक्षी महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के खाते में 46 सीटें आयीं। सुक्खू ने कहा, 'किसी भी तकनीक को हैक किया जा सकता है और यहां तक कि एलन मस्क (सोशल मीडिया कंपनी 'एक्स' के मालिक) ने भी यह बात कही है।' कांग्रेस, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शरदचंद्र पवार के कई नेताओं ने ईवीएम के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाया और दावा किया कि मशीनों के खिलाफ बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आई हैं। सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि इस अवधि के दौरान विभिन्न विभागों के कामकाज में बदलाव कर वह राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर ले आए हैं और वह राज्य के लोगों के हित में साहसिक कदम उठाना जारी रखेंगे।

ललन सिंह के बयान से बिहार में सियायी घमासान... तेजस्वी ने कहा उनकी कोई विश्वसनीयता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह के बयान को लेकर बिहार में सियासी घमासान मच गया है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिए नीतीश सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद, मुसलमान जदयू को वोट नहीं देते हैं। मंत्री सिंह ने सीएम नीतीश के कार्यकाल के दौरान लागू किए गए कई सुधारों पर प्रकाश डाला, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय को लाभ हुआ है, और उनकी तुलना लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सरकार के दौरान की स्थितियों से की गई।

सीएम नीतीश के करीबी माने जाने वाले पूर्व जदयू अध्यक्ष सिंह ने कहा, मुसलमान पहले भी जद-यू को वोट नहीं देते थे, और न ही अब देते हैं। उन्होंने कहा कि लालू-राबड़ी युग के दौरान, मदरसा शिक्षक प्रति माह 4,000 रुपये कमाते थे। नीतीश के नेतृत्व में, उनके वेतन को सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप किया गया है, जो उनकी वित्तीय स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार को दिखाता है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश ने उन्नत शिक्षा और कल्याणकारी योजनाओं जैसे उपायों के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय के विकास को गति दी है।

हालाँकि, केंद्रीय मंत्री सिंह ने अफसोस जताया कि ये प्रयास नीतीश या जद-यू के लिए वोटों में नहीं बदले हैं। उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय की राजनीतिक प्राथमिकताओं की आलोचना कर दावा किया कि जिन पार्टियों का वे समर्थन करते हैं, उन्होंने उनके विकास में योगदान नहीं दिया है। अपनी टिप्पणी में, उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनावी गतिशीलता की वास्तविकताओं को पहचानने का आह्वान कर कहा, किसी भी भ्रम में न रहें कि अल्पसंख्यक समुदाय नीतीश को वोट देता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश सभी के लिए काम करते हैं।

हालांकि, जदयू नेता मोहम्मद जमाल ने केंद्रीय मंत्री सिंह के बयान पर पलटवा कर कहा है कि बिहार का अल्पसंख्यक समुदाय नीतीश के साथ मजबूती से खड़ा है। वहीं नीरज कुमार के बाद अब अशोक चौधरी ने कहा कि, सिंह के बयान पर विपक्ष जबरदस्ती का विवाद पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि नीतीश न हिंदू है न मुसलमान है, न वह सिख हैं न इसाई है। नीतीश कुमार एक इंसान हैं, जो एक इक्कसवीं सदी के बिहार के निर्माण का सपना देखा और काम कर रहा है।

ललन के बयान पर राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि छोड़िए ललन सिंह की बात, हम लोगों के साथ थे, तब प्रधानमंत्री और अमित शाह को क्या-क्या बोलते थे। इधर हैं, तब इधर की बात करेंगे, उधर हैं, तब इधर की बात करते है। उनकी अपनी कोई क्रेडिबिलिटी नहीं है। वहीं, बयान के सफाई में ललन सिंह ने कहा कि मुजफ्फरपुर में मैंने कहा कि नीतीश कुमार वोट के लिए काम नहीं करते, वह बिहार की भलाई के लिए काम करते हैं और नीतीश कुमार ने पिछले 19 वर्षों में समाज के हर वर्ग के सामाजिक, आर्थिक उत्थान के लिए काम किया है और उसी का परिणाम है कि आज बिहार बदल रहा है।

40 बागी विधायकों में से 5 को मिली हार, सामना के जरिए उद्धव ठाकरे ने शिंदे को राजनीति छोड़ने के वादे की दिलाई याद

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को उनके राजनीति छोड़ने के वादे की याद दिलाई, यदि 2022 में अविभाजित शिवसेना के विभाजन के दौरान उनके साथ रहने वाले बागी विधायकों में से कोई भी राज्य में विधानसभा चुनाव हार गया। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में एक लेख में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट ने शिंदे को याद दिलाया कि 40 बागी विधायकों में से पांच विधानसभा चुनाव हार गए हैं। दैनिक ने कहा कि विधायक हैं माहिम से सदा सरवनकर, भायखला से यामिनी जाधव, सांगोला से शाहजी बापू पाटिल, मेहकर से संजय रायमुलकर और उमरगा से ज्ञानराज चौगुले।

शिंदे की सेना की ओर से एकनाथ शिंदने को मुख्यमंत्री बने रहने की मांग बढ़ने के बाद पार्टी की ओर से यह प्रतिक्रिया आई है। शिव सेना (यूबीटी) के प्रवक्ता नरेश म्हस्के ने शिंदे के समर्थन में बिहार में व्यवस्था का हवाला दिया। म्हास्के ने कहा कि हमें लगता है कि शिंदे को मुख्यमंत्री होना चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे बिहार में हुआ था, जहां बीजेपी ने संख्या को नहीं देखा, लेकिन फिर भी जेडीयू नेता नीतीश कुमार को सीएम बनाया। महायुति (महाराष्ट्र में) के वरिष्ठ नेता अंततः निर्णय लेंगे। शिंदे की सेना से महाराष्ट्र के मंत्री दीपक केसरकर ने भी रविवार को कहा कि पार्टी विधायकों का मानना है कि शिंदे को मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए। केसरकर ने संवाददाताओं से कहा, उनके नेतृत्व में, महायुति ने बहुत अच्छा काम किया और चुनावों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि महायुति के साझेदार अंतिम निर्णय लेंगे।

शिंदे, जो उस समय उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन सरकार में मंत्री थे, ने तत्कालीन सीएम के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर दिया था। शिंदे के साथ कम से कम 39 अन्य विधायक भाजपा के साथ 'बातचीत' शुरू करने के लिए सबसे पहले गुजरात के सूरत और असम के गुवाहाटी, दोनों भाजपा शासित राज्यों के लिए रवाना हुए। बाद में शिंदे भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बने।

रामदास अठावले ने बता दिया, सीएम की रेस में कौन है सबसे आगे, अपनी पार्टी के लिए मांगा मंत्री पद

केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया-अठावले (आरपीआई-ए) के प्रमुख रामदास अठावले ने सोमवार को दावा किया कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री, देवेंद्र फडणवीस, राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनने की ओर अग्रसर हैं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता अजित पवार ने उन्हें अपना समर्थन दिया है। फडणवीस से उनके आवास पर मुलाकात के बाद अठावले ने कहा कि मुख्यमंत्री पद पर फैसले को अगले दो से तीन दिनों के भीतर अंतिम रूप दे दिया जाएगा। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि शपथ ग्रहण समारोह जल्द ही होगा और आश्वासन दिया कि आरपीआई-ए कैबिनेट में जगह सुरक्षित करेगी। केंद्रीय मंत्री ने फडणवीस के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि अगले मुख्यमंत्री के तौर पर देवेन्द्र फडणवीस को चुना जाएगा। बीजेपी को 132 सीटें मिली हैं। अजित पवार ने भी देवेन्द्र फडणवीस को 41 सीटों का समर्थन दिया। एकनाथ शिंदे से चर्चा अभी भी जारी है। अठावले ने यह भी सुझाव दिया कि एकनाथ शिंदे, जिन्होंने शिव सेना को 58 सीटों पर जीत दिलाई, को केंद्रीय पद से सम्मानित किया जाना चाहिए, जबकि शिव सेना को एक उपमुख्यमंत्री की सीट मिलनी चाहिए।

वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट का विरोध, प्रदर्शनकारियों व पुलिस में झड़प

दुकानदार और पालकीवालों ने कहा, हमारी रोजी-रोटी छिन जाएगी

श्रीनगर (एजेंसी)। कटरा में वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट का विरोध बढ़ता जा रहा है। सोमवार को लोकल दुकानदार और मजदूरों ने लगातार चौथे दिन प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। झड़प में पुलिस का एक जवान घायल हो गया है।

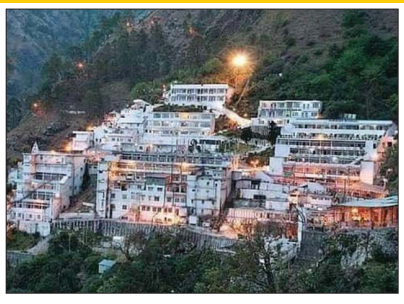

प्रदर्शनकारियों ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मजिस्ट्रेट कार्यालय के बाहर विरोध रैली निकाली और शालीमार पार्क के बाहर धरना दिया। बता दें कि शालीमार पार्क में ही वैष्णोदेवी दर्शन के लिए जाने वाले लोगों के लिए बेस कैंप शिविर बनाया गया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचाने वाले रोपवे प्रोजेक्ट से मौजूदा रूट के लोकल दुकानदार का व्यापार ठप हो जाएगा। पालकी और घोड़े से श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचाने वाले स्थानीय लोगों ने कहा कि नया प्रोजेक्ट 250 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा है। इसके बनने के बाद श्रद्धालु रोपवे से जाएंगे। हमारी रोजी-रोटी छिन जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दुकानदारों और घोड़े-पालकीवालों ने तीन दिन हड़ताल का भी ऐलान किया था। 22 नवंबर से शुरू हुई यह हड़ताल अब एक दिन और बढ़ाई गई है। प्रदर्शन में मजदूर संघ के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह जामवाल और शिवसेना (यूबीटी) के प्रदेश अध्यक्ष मनीष साहनी भी शामिल हुए। उन्होंने रोपवे प्रोजेक्ट से प्रभावित होने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए 20 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही प्रभावितों के लिए पुनर्वास प्लान बनाने के लिए कहा है।

रोपवे से सात घंटे का सफर मात्र एक घंटे में होगा

श्री वैष्णो देवी मंदिर श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने बताया कि 250 करोड़ रुपए की लागत से नए रोपवे प्रोजेक्ट का निर्माण हो रहा है। इसके तहत कटरा से सांझीछत जाने में महज छह मिनट का समय लगेगा। इसके बाद 45 से 50 मिनट में वैष्णो देवी भवन तक पहुंचा जा सकता है। अभि भक्तों को मंदिर तक पहुंचने में चढ़ाई करके 6-7 घंटे लगते हैं। प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद श्रद्धालु को सिर्फ एक घंटा लगेगा। इससे श्रद्धालुओं को आसानी होगी।

निज्जर कांड में न सबूत-न सुनवाई, अब 4 भारतीयों को फंसाने पर तुला कनाडा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपने खालिस्तानी प्रेम से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। इसी प्रेम के चलते कनाडा में उनका जबरदस्त विरोध हो रहा है,इसके बाद भी ट्रूडो खालिस्तानियों के चंगुल में फंसे हुए हैं। निज्जर हत्याकांड में उसके पास सबूत है नहीं और अब वह प्रारंभिक सुनवाई का भी मौका नहीं दे रहा। जी हां, अब खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में कनाडा सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है। कनाडा सरकार ने निज्जर हत्याकांड के कथित आरोपी चार भारतीय नागरिकों के खिलाफ सीधे अभियोग अथवा मुकदमे चलाने का ऐलान है।

आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में चार भारतीय नागरिक हैं- करण बरार, अमनदीप सिंह, कमलप्रीत सिंह और करणप्रीत सिंह। इन चारों आरोपी भारतीय नागरिकों को 21 नवंबर को सरे की प्रांतीय अदालत में पेशी के लिए हाजिर होना था, मगर ऐन वक्त पर कार्यवाही को रद्द कर दिया गया और वे पेश नहीं हो सके। अब वे 11 फरवरी, 2025 को पेश होंगे। कनाडा के अफसरों की मानें तो अभी सुनवाई शुरू होने की कोई संभावित तारीख तय नहीं है। 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के परिसर में निज्जर की हत्या के मामले में इस साल मई में गिरफ्तार किए गए चार लोगों के खिलाफ न्यायिक कार्यवाही में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद से मामले की सुनवाई पांच बार टाली जा चुकी है। चारों पर निज्जर की हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप है।

बिना शुरुआती सुनवाई के ही यह ट्रायल चलेगा। बीसी प्रॉसिक्यूशन सर्विस की मानें तो इसके चलते सरे प्रोविंसियल कोर्ट में सुनवाई से पहले की कार्यवाही रोक दी गई है और मामला अब सीधे सुप्रीम कोर्ट में जाएगा। जस्टिन ट्रूडो निज्जर हत्याकांड को दिल से लगा बैठे हैं। वह इस मसले के वोट बैंक के रूप में देख रहे हैं। वह इसके सहारे अपनी राजनीति चमकाने में लगे हैं।खबर के मुताबिक, निज्जर हत्याकांड के कथित चारों आरोपियों पर सीधे अभियोग चलाने का मतलब है कि मामला बिना किसी प्रारंभिक सुनवाई के सीधे ट्रायल के लिए जाएगा। यह एक महत्वपूर्ण चरण को दरकिनार कर देता है, जहां आरोपी के बचाव पक्ष के वकील को अभियोजन पक्ष के गवाहों से जिरह करने और वास्तविक मुकदमे शुरू होने से पहले अपने मुवक्किल के खिलाफ मामले का पता लगाने का अवसर मिलेगा। मगर अब यह मामला सीधे ट्रायल में जाएगा। कनाडा के क्रिमिनल कोड के तहत, डायरेक्ट इंडिक्टमेंट यानी प्रत्यक्ष अभियोग एक स्पेशल पावर है, जिसका इस्तेमाल बहुत सोच-समझकर किया जाता है। यह अटॉर्नी जनरल की संवैधानिक जिम्मेदारी पर निर्भर करता है कि जो लोग मुकदमे के लायक हैं, उन पर वाकई मुकदमा चलाया जाए। इसे आम तौर पर जनहित के कुछ खास मामलों में ही लागू किया जाता है, जैसे कि जब गवाहों, उनके परिवारों, या मुखबिरों की सुरक्षा को लेकर उचित चिंता हो।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में आयुर्वेद का बढ़ता प्रभाव, 10 हजार आयुर्वेदिक डॉक्टरों की होगी भर्ती

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। अब ब्रिटेन

की राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना (एनएचएस) में आयुर्वेद को औपचारिक रूप से शामिल करने की तैयारी शुरू हो गई है। एक सर्वदलीय कमेटी ने आयुर्वेद को एक प्रभावी और बेहतर चिकित्सा पद्धति बताते हुए इसकी सिफारिश की है। यह भारतीय आयुर्वेदिक डॉक्टरों के लिए एक बड़ी खुशखबरी साबित हो सकती है। ब्रिटेन में अगले पांच साल में 10 हजार आयुर्वेदिक डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी। साथ ही, ब्रिटेन में आयुर्वेद से संबंधित सौंदर्य, स्वास्थ्य और शैक्षणिक संस्थानों की संख्या भी पांच साल में 500 तक पहुंचने का अनुमान है। ब्रिटेन में आयुर्वेद के प्रति लोगों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। वर्तमान में ब्रिटेन में आयुर्वेद से जुड़ी लगभग 100 संस्थान हैं, लेकिन अगले कुछ सालों में इनकी संख्या बढ़कर 500 हो सकती है। यह बदलाव खासकर सरकारी और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है, जहां आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है।

भारतीयों के लिए यूरोप का वीजा लेना हुआ मुश्किल, पहले से तीन गुना जटिल हुई प्रक्रिया

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय यात्रियों के लिए यूरोप के 29 देशों का शेनजेन वीजा प्राप्त करना दिनों-दिन जटिल होता जा रहा है। 2013 से 2023 के बीच शेनजेन जोन में वीसा अर्जियों के रद्द होने की दर 5 प्रतिशत से बढ़कर 16 प्रतिशत हो गई है। इस बढ़ती कठिनाई के कारण भारतीय यात्रियों को यात्रा योजनाओं में कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। शेनजेन वीजा के लिए सामान्य फीस 6000 रुपए है, लेकिन भारतीयों को अतिरिक्त 1900 रुपए चुकाने पड़ते हैं। जबकि ब्रिटिश वीजा 12,700रुपए और अमेरिकी वीसा 15,600रुपए में मिलता है। विशेष सुविधाओं, जैसे लाउंज या ऑफ-ऑवर आवेदन, के लिए अतिरिक्त 2500-16,000रुपए तक का खर्च होता है। वीजा प्रक्रिया का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा प्राइवेट कंपनियों के जरिए आउटसोर्स किया जाता है। वीएफएस ग्लोबल, टीएलएस कॉन्टैक्ट और बीएलएस इंटरनेशनल जैसी कंपनियों का इस क्षेत्र में 70 प्रतिशत नियंत्रण है। इन्वेस्टमेंट फर्म नुवामा ग्रुप के अनुसार, वीसा आउटसोर्सिंग इंडस्ट्री हर साल 9 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और 2030 तक इसका मूल्य 42,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। यूरोप जाने वाले यात्रियों को बैंक स्टेटमेंट, पे स्लिप, टैक्स रिटर्न जैसी कई दस्तावेजी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। आवेदन के बाद भी कई बार अर्जियां अस्वीकृत हो जाती हैं, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है। खास बात यह है कि यूरोप जाने के लिए अमीर देशों के लिए वीजा में छूट है लेकिन विकासशील देशों पर बोझ डाला गयाहै।

थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने नेपाल के मुक्तिनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सेना मुख्यालय के सूत्रों ने बताया कि जनरल द्विवेदी ने पोखरा में नेपाल सेना के पश्चिमी डिवीजन मुख्यालय का भी दौरा किया, जहां मेजर जनरल संतोष बल्लभ पौडयाल ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। भारत के थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को नेपाल के गंडकी प्रांत में स्थित मुक्तिनाथ मंदिर के दर्शन किये और वहां पूजा-अर्चना की। इस मंदिर का हिंदू तथा बौद्ध दोनों धर्मों में विशेष धार्मिक महत्व है। नेपाल सेना मुख्यालय के सूत्रों ने बताया कि जनरल द्विवेदी ने पोखरा में नेपाल सेना के पश्चिमी डिवीजन मुख्यालय का भी दौरा किया, जहां मेजर जनरल संतोष बल्लभ पौडयाल ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जनरल द्विवेदी नेपाल के सेना प्रमुख जनरल अशोक सिगदेल के निमंत्रण पर नेपाल की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर बुधवार को काठमांडू पहुंचे थे। जनरल द्विवेदी को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल द्वारा नेपाल सेना के जनरल की मानद पदवी से सम्मानित किया गया। उन्होंने शुक्रवार को प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली और रक्षा मंत्री मनबीर राय से भी मुलाकात की और आपसी हितों के मुद्दों पर बातचीत की।

जॉर्डन के सुरक्षा बलों ने इजराइली दूतावास के पास गोलीबारी करने के आरोपी को ढेर किया

अम्मान, एजेंसी। हमलावर की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है। इजराइल और जॉर्डन के बीच 1994 में शांति समझौता हुआ था लेकिन हमास के साथ युद्ध और लेबनान में इजराइली हमले के बाद से दोनों देशों के बीच काफी तनाव है। जॉर्डन के अधिकारियों ने इजराइली दूतावास के पास पुलिस दल पर गोलीबारी करने के आरोपी को ढेर कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दूतावास के पास गोलीबारी की घटना में तीन पुलिस अधिकारी घायल हो गए थे। गोलीबारी की यह घटना रविवार तड़के जॉर्डन की राजधानी अम्मान के रबियाह इलाके में हुई। जॉर्डन के सार्वजनिक सुरक्षा निदेशालय ने एक बयान में कहा कि एक व्यक्ति क्षेत्र में गोलीबारी कर रहा था सुरक्षा बलों ने सूचना मिलने पर हमलावर का पीछा किया। बयान में कहा गया, ''हमलावर का पीछा किया गया और उसे घेर लिया गया, जिसके बाद उसने सुरक्षा बलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसमें हमलावर मारा गया।

डायलिसिस कराने आए मरीजों में फैलता रहा एचआईवी संक्रमण, डॉक्टरों को सुध नहीं; अस्पताल का स्टाफ निलंबित

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सीएम मरियम नवाज ने मुल्तान के निश्तार अस्पताल के मेडिकल स्टाफ को निलंबित करने का फैसला किया है। दरअसल इस अस्पताल के डायलिसिस विभाग से मरीजों में एचआईवी का संक्रमण फैला है। यही वजह है कि सीएम ने लापरवाही बरतने के आरोप में अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग के प्रमुख समेत कई स्टाफ कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है।

जांच में कर्मचारियों की मिली गंभार लापरवाही : जांच में अस्पताल में संक्रमण नियंत्रण प्रोटोकॉल में गंभीर किस्म की लापरवाही की गई, जिसकी वजह से अस्पताल में डायलिसिस कराने वाले कर्मचारियों में एचआईवी का संक्रमण फैला। मरियम नवाज ने अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट समेत विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। जिन कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई, उनमें मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉक्टर मुहम्मद काजिम, गुलाम अब्बास (नेफ्रोलॉजी विभाग के प्रमुख), पूनम खालिद (एसोसिएट प्रोफेसर), मोहम्मद कदीर (सीनियर रजिस्ट्रार), मलियाह जौहर, मोहम्मद आलमगीर (नेफ्रोलॉजी विभाग के मेडिकल ऑफिसर) और हेड नर्स नहीद परवीन शामिल हैं। जांच में पता चला है कि एचआईवी मामलों की पुष्टि के बाद भी अस्पताल के स्टाफ ने मामलों को दबाने की कोशिश की, जिसकी वजह से संक्रमण और फैला। सरकार के फैसले के विरोध में उतरे अस्पताल के अन्य कर्मचारी जांच में पता चला है कि डायलिसिस कर्मचारियों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली डिस्पोजेबल किट को कई मरीजों में इस्तेमाल किया जा रहा था, इसकी वजह से ही एचआईवी संक्रमण किडनी के मरीजों में फैला। दूसरी लापरवाही ये रही कि अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर और कर्मचारियों ने कई हफ्तों तक डायलिसिस विभाग का दौरा ही नहीं किया। मामला बढ़ने के बाद पंजाब की सीएम मरियम नवाज ने निश्तार अस्पताल का दौरा किया और गंभीर लापरवाही पर नाराजगी जाहिर की। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य सचिव को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

मोदी से पंगा ट्रूडो को पड़ा ऐसा भारी, अपने ही अधिकारियों को बताना पड़ा अपराधी

कनाडा, एजेंसी। ट्रूडो का यह बयान उस मीडिया रिपोर्ट के एक दिन बाद आया है जिसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को कनाडा में आपराधिक गतिविधियों से जोड़ा गया है, जिसमें सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की कथित साजिश भी शामिल है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने ही खुफिया अधिकारियों पर निशाना साधा और मीडिया को जानकारी लीक करने के लिए उन्हें अपराधी बताया। ब्रैम्पटन में एक मीडिया को संबोधित करते हुए ट्रूडो ने खुफिया अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने पहले ही विदेशी हस्तक्षेप की राष्ट्रीय जांच स्थापित कर दी है। ट्रूडो ने कहा कि दुर्भाग्य से हमने देखा है कि मीडिया को शीर्ष-गुप्त जानकारी लीक करने वाले अपराधियों ने लगातार उन कहानियों को गलत पाया है। यही कारण है कि हमने विदेशी हस्तक्षेप की एक राष्ट्रीय जांच की थी, जिसने इस बात पर प्रकाश डाला है कि मीडिया आउटलेट्स को जानकारी लीक करने वाले अपराधी अविश्वसनीय हैं। ट्रूडो का यह बयान उस मीडिया रिपोर्ट के एक दिन बाद आया है जिसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को कनाडा में आपराधिक गतिविधियों से जोड़ा गया है, जिसमें सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की कथित साजिश भी शामिल है। अटकलबाजी और गलत। एक अज्ञात वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी के हवाले से द ग्लोब एंड मेल अखबार ने मंगलवार को खबर दी कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों का मानना ??है कि प्रधानमंत्री मोदी को निज्जर की हत्या और अन्य हिंसक साजिशों के बारे में पता था। अधिकारी ने कहा अधिकारी ने कहा, कनाडाई और अमेरिकी खुफिया ने हत्या की कार्रवाई के तार गृह मंत्री अमित शाह से भी जोड़े थे। प्रिवी काउंसिल कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में, ट्रूडो ने कहा कि 14 अक्टूबर को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण और चल रहे खतरे के कारण, आरसीएमपी और अधिकारियों ने कनाडा में गंभीर आपराधिक गतिविधि के सार्वजनिक आरोप लगाने का असाधारण कदम उठाया।

एलन मस्क ने एक दिन में 640 मिलियन वोटों की गिनती के लिए भारत को सराहा, अमेरिका पर कसा तंज

वाशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने दो राज्य विधानसभा चुनावों और उपचुनावों की मतगणना एक ही दिन में संपन्न होने के बाद भारतीय चुनाव प्रणाली की सराहना

की है। साथ ही उन्होंने अमेरिका की इस प्रक्रिया पर कटाक्ष भी किया, जहां कैलिफोर्निया में अभी तक मतदान की घोषणा नहीं हुई है। मस्क ने एक्स पर लिखा, भारत ने एक दिन में 640 मिलियन वोटों की गिनती कर ली है, जबकि कैलिफोर्निया अभी भी वोटों की गिनती कर ही रहा है। मस्क ने ये टिप्पणी उस एक्स पोस्ट पर दी जिसका शीर्षक था कि भारत ने एक दिन में 640 मिलियन वोटों की गिनती की। मस्क ने ऐसे ही एक दूसरी पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। उस पोस्ट में लिखा था कि भारत ने एक दिन में 640 मिलियन वोट गिने और कैलिफोर्निया 18 दिन बाद भी 15 मिलियन वोट नहीं गिन पाया है। इस पर मस्क ने लिखा- दुखद। खबरों की मानें तो राष्ट्रपति चुनाव संपन्न होने के 2 हफ्ते बाद भी कैलिफोर्निया में अभी भी 300,000 से अधिक मतों की गिनती होनी बाकी है। डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी चुनावों का विजेता घोषित किए हुए कई सप्ताह हो चुके हैं। ट्रंप अब जनवरी अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। कैलिफोर्निया अमेरिका का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है, जहां लगभग 39 मिलियन निवासी रहते हैं। 5 नवंबर को हुए मतदान में कम से कम 16 मिलियन मतदाताओं ने भाग लिया। हालांकि, हाल के वर्षों में यह चुनाव परिणामों की गणना और रिपोर्ट करने में सबसे धीमे राज्यों में से एक रहा है। देरी मुख्य रूप से इसके विशाल आकार और मेल-इन वोटिंग के कारण है। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, मतदान की घोषणा करने में कई सप्ताह लग सकते हैं, ऐसा ही कुछ 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में हुआ था। कैलिफोर्निया के चुनाव मुख्य रूप से मेल-इन वोटिंग पर निर्भर करते हैं, जिसके लिए व्यक्तिगत मतदान की तुलना में प्रक्रिया करने में अधिक समय और प्रयास की आवश्यकता होती है। प्रत्येक मेल-इन मतपत्र को व्यक्तिगत सत्यापन और प्रोसेसिंग से गुजरना पड़ता है, एक ऐसी प्रक्रिया जो मतदान केंद्रों पर मतपत्रों को स्कैन करने की तुलना में अधिक समय लेती है।

गाजा पट्टी में इजरायल की बमबारी जारी, बच्चों सहित 17 की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में इजरायली बमबारी में कम से कम 17 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। गाजा शहर के दक्षिण-पूर्व में अल-जायतून में एक घर पर इजरायली एयर स्ट्राइक में तीन बच्चों सहित सात फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने शनिवार को फिलिस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, वहीं गाजा पट्टी के खान यूनिस में तीन घरों पर बमबारी की गई जिसमें बच्चों सहित नौ लोग मारे गए जबकि गाजा के नुसेरात शिविर में एक अपार्टमेंट पर बम गिराए गए जिसमें एक शख्स की मौत हो गई। 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि गाजा पट्टी में जारी इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 44,056 हो गई है। हाल ही में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए यूएन एजेंसी के प्रमुख जनरल फिलिप लाजारिनी ने कहा कि गाजा बच्चों के लिए कब्रिस्तान बन गया है। उन्होंने विश्व बाल दिवस (जो हर साल 20 नवंबर को मनाया जाता है) के अवसर पर एक बयान में कहा, वे (बच्चे) मारे जा रहे हैं, घायल हो रहे हैं।

पाकिस्तान में शिया-सुन्नी संघर्ष में 37 लोगों की मौत, 100 से अधिक घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में ताजा सांप्रदायिक हिंसा में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई और 103 घायल हुए हैं। मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यह ताजा हिंसा शिया मिलिशिया समूहों द्वारा किए गए जवाबी हमले का परिणाम है। इससे पहले गुरुवार को पाराचिनार से जा रहे यात्री वैन के काफिले पर अज्ञात बंदूकधारियों ने हमला कर 47 शिया मुसलमानों को मार डाला था। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह कुर्रम जिले में ताजा सांप्रदायिक झड़पें शुरू हो गईं, जिसमें बड़ी संख्या में बंदूकधारियों ने भारी हथियारों के साथ आसपास के गांवों को निशाना बनाया। गांवों को मलबे में बदल दिया गया, घरों, बाजारों और सरकारी भवनों को आग लगा दी। कुर्रम जिले के एक अधिकारी ने बताया, यह हमला शिया उग्रवादी समूह जैनाबियुन ने किया, जिसने गुरुवार को हुई शियाओं की हत्या का बदला लेने की शपथ ली थी। उसके लोगों ने गांवों पर हमला किया और सब कुछ जला दिया। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। नरसंहार के एक प्रत्यक्षदर्शी ने पुष्टि की कि उसने कम से कम छह हमलावरों के भी जले हुए शव देखे। रिपोर्ट के अनुसार, हमलावरों ने महिलाओं का अपहरण भी किया है और जिले में शिया तथा सुन्नी दोनों संप्रदायों के आदिवासी बुजुर्गों ने हमले तेज करने के संदेश भेजे हैं। कुर्रम जिले में कम से कम तीन अलग-अलग स्थानों से झड़पों की

खबरें अभी भी आ रही हैं, जबकि कोहाट जिले से थल-सदा-पाराचिनार हाईवे बंद है। जारी झड़पों के तेज होने के साथ, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) की प्रांतीय सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए पेशावर से कुर्रम जिले के लिए रवाना हुआ। हेलीकॉप्टर में खैबर पख्तूनख्वा के कानून मंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिरीक्षक से मिलकर बना एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल था। प्रतिनिधिमंडल ने कुर्रम जिले में स्थानीय प्रशासन से मुलाकात की, लेकिन वापस लौटते समय हेलीकॉप्टर पर कथित तौर पर गोलीबारी की गई। हालांकि, हेलीकॉप्टर पेशावर में सुरक्षित उतरने में सफल रहा। कुर्रम जिले में स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। पिछले 48 घंटे में सुन्नी और शिया सांप्रदायिक झड़पों में करीब 100 लोग मारे गए हैं और 200 अन्य घायल हुए हैं। कुर्रम जिले में सांप्रदायिक हिंसा का इतिहास रहा है। प्रांतीय गवर्नर फैसल करीम कुंडी के अनुसार, सितंबर में अलग-अलग घटनाओं में दोनों संप्रदायों के कम से कम 60 लोग मारे गए थे। शिया बहुल पाराचिनार क्षेत्र में शुक्रवार को विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस वाहनों और सुरक्षा चौकियों में आग लगा दी गई। साथ ही, रास्तों को पत्थरों और जलते हुए टायरों से रोक दिया गया।

अमेरिकी कृषि मंत्री के रूप में ब्रुक रोलिंस के नाम का एलान; ट्रंप के वफादारों में होती है गिनती

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति अगले साल जनवरी में शपथ लेने से पहले अपनी कोर टीम के लिए एक के बाद एक नामों का एलान कर रहे हैं। अब उन्होंने कृषि मंत्री के लिए अपनी पसंद की घोषणा की है। ट्रंप ने यह जिम्मेदारी ब्रुक लेस्ली रोलिंस को दी है। ब्रुक लेस्ली रोलिंस ट्रंप एक अमेरिकी वकील है और ट्रंप की काफी वफादार मानी जाती हैं। इससे पहले ट्रंप ने सीईओ हावर्ड लुटनिक को अमेरिका का वाणिज्य मंत्री और व्यापार प्रतिनिधि बनाने की घोषणा की थी। पहले कार्यकाल से ही ट्रंप की वफादार हैं ब्रुक लेस्ली रोलिंस ब्रुक लेस्ली रोलिंस अभी 52 साल की हैं। वे अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी इंस्टीट्यूट की अध्यक्ष और सीईओ हैं। उन्होंने पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अधीन संयुक्त राज्य अमेरिका की घरेलू नीति परिषद के कार्यवाहक निदेशक के रूप में कार्य किया था। ट्रंप द्वारा घोषणा किए जाने के बाद रोलिंस ने अमेरिकी किसान का समर्थन करने, अमेरिकी खाद्य आत्मनिर्भरता की रक्षा और कृषि पर निर्भर अमेरिकी छोटे शहरों की बहाली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।

ट्रंप ने भी इसकी सराहना की है। रोलिंस को नामित करने के बाद ट्रंप ने अब सभी शीर्ष कैबिनेट पदों के लिए चयन पूरा कर लिया है। हालांकि लघु व्यवसाय प्रशासन और विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यालय के प्रमुख जैसे कुछ निचले स्तर के पदों पर नियुक्तियां की जानी अभी बाकी हैं। कृषि सचिव के रूप में एक बड़े विभाग को संभालेंगी ब्रुक लेस्ली रोलिंस ट्रंप द्वारा नामित किए जाने के बाद अब अगर सीनेट ब्रुक लेस्ली रोलिंस के नाम पर अपनी सहमति जताएगी तो वे एक बड़े विभाग की जिम्मेदारी निभाएंगी। कृषि विभाग अमेरिका में तकरीबन 100,000 लोगों को रोजगार देता है। इसके साथ ही कृषि कार्यक्रमों, अनुसंधान और व्यापार, खाद्य सुरक्षा, पशु और पौधों के स्वास्थ्य और देश के जंगलों की देखरेख करता है। इसके अलावा, यह विभाग अमेरिका के सबसे बड़े खाद्य सहायता कार्यक्रम का भी प्रबंधन करता है। इस कार्यक्रम के जरिए 40 मिलियन से अधिक लोगों को लाभ होता है। हाल ही में ये नियुक्तियां भी कीं नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को शीर्ष प्रशासनिक पदों के लिए घोषणाएं की थीं। उन्होंने एलेक्स वोंग को प्रधान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और डॉक्टर सेबेस्टियन गोर्का को आतंकवादी रोधी के लिए वरिष्ठ निदेशक नियुक्त किया था। इसके अलावा, पूर्व सांसद डॉक्टर डेव वेल्डन को रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के निदेशक, एफडीए (खाद्य एवं औषधि प्रशासन) आयुक्त के लिए मार्टी माकरी और आवास एवं शहरी विकास सचिव के रूप में स्कॉट टर्नर को चुना है। रसेल थुरलो वॉट को यूएस ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट (ओएमबी) का निदेशक नियुक्त किया गया है। सभी नियुक्तियां अगले साल की 20 जनवरी से प्रभावी होंगी, जब ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे।

ब्रिटेन में जेल प्रहरियों-शिक्षकों से भी ज्यादा है कैदियों का वेतन, काम के लिए बाहर जाने की भी इजाजत

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन से एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। यहां के जेलों में बंद कैदियों को उनकी सुरक्षा करने वाले अधिकारियों के साथ-साथ माध्यमिक शिक्षकों, जैव रसायनज्ञों, मनोचिकित्सकों और दाइयों से अधिक वेतन मिल रहा है। यह दावा एक मीडिया रिपोर्ट में किया गया है।

कैदियों के पुनर्वास के लिए अहम कदम : बता दें, कुछ कम सुरक्षा वाली खुली जेलों में कैदियों को काम के लिए बाहर निकलने की अनुमति है। मगर, दिन के अंत तक ये जेल में वापस आ जाते हैं। यह कदम कैदियों के पुनर्वास और उन्हें समाज में जीवन वापस लाने के लिए तैयार करने के ठोस प्रयास का हिस्सा है। हालांकि, कैदियों और नागरिक समाज से संबंधित लोगों के बीच वेतन अंतर ने ब्रिटेन में आय असमानता के बारे में सवाल खड़े कर दिए हैं।

किसे-कितना वेतन मिला : ब्रिटेन में सबसे अधिक वेतन पाने वाले कैदी को पिछले साल 46,005 डॉलर यानी 38,84,491 रुपये मिले। इसका मतलब है कि उनका सकल वेतन लगभग 57,640 डॉलर (48,66,907 रुपये) था। गृह मंत्रालय के आंकड़ों से पता चला है कि नौ अन्य कैदियों की कमाई 28,694 डॉलर (24,22,814 रुपये) से ज्यादा थी, जिसका मतलब है कि औसत कामकाजी कैदी को प्रति वर्ष लगभग 25,061 डॉलर (21,16,057 रुपये) का भुगतान किया जा रहा था। इस बीच, एक जेल गार्ड का औसत वेतन 35,085 डॉलर (29,62,446 रुपये) है, जबकि नए भर्ती किए गए लोगों को प्रति वर्ष लगभग 30,073 डॉलर (25,39,252 रुपये) का भुगतान किया जाता है। न्याय मंत्रालय के अनुसार, पिछले साल कटौती के बाद दो अन्य कैदी थे, जिन्होंने सबसे ज्यादा 37,591 डॉलर (31,74,044 रुपये) की कमाई की और अन्य सात ने निजी बैंक खातों में 28,694 डॉलर (24,22,814 रुपये) और 37,591 डॉलर (31,74,044 रुपये) के बीच रखा। हालांकि कैदी कई तरह के काम करते हैं, लेकिन ज्यादा कमाई वाले व्यक्ति ट्रक चलाने का काम करते हैं। जेल सेवा के प्रवक्ता ने कहा, कुछ अपराधियों को उनकी सजा के अंत में अस्थायी लाइसेंस पर रिहाई मिल जाती है। इससे उन्हें जेल लौटने से पहले अपना कुछ दिन समुदाय में बिताना पड़ता है, अक्सर काम करना पड़ता है। अगर वे काम कर रहे हैं, तो उनकी कमाई पर कर, अदालती जुर्माना और 40 प्रतिशत तक का शुल्क देना होगा, जिससे पीड़ितों के लिए चैरिटी को धन मुहैया कराया जाता है। कटौतियों के बावजूद, कैदी दाइयों से आगे थे, जिनका औसत वेतन 45,889 डॉलर (38,74,696 रुपये) था।

किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक खर्च पर भड़के लोग, बोले- पानी की तरह बहाया टैक्स पेयर्स का पैसा

लंदन, एजेंसी। किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक में करीब 90.7 मिलियन डॉलर के खर्चे का बिल सामने आने पर बवाल शुरू हो गया है। ब्रिटेन में राजाशाही का विरोध करने वाले लोगों ने इस बेहिसाब खर्च को लेकर सवाल उठाए हैं। पिछले साल हुए इस कार्यक्रम सवाल उठाते हुए लोगों ने कहा कि अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर संघर्ष कर रहे ब्रिटेन के लिए यह एक बोझ के समान था। इस बेमतलब के समारोह में इंग्लिश टैक्सपेयर्स के 90 मिलियन डॉलर को पानी की तरह बहा दिया गया। सरकारी विभाग द्वारा जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग ने इस कार्यक्रम में जमकर पैसा लगाया। इन विभागों ने मिलकर करीब 50 मिलियन पाउंड का खर्चा किया। वहीं दूसरी ओर ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने भी सालों में एक बार होने वाली इस शाही घटना की निगरानी पर कुल 21.7 मिलियन पाउंड का खर्चा किया। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ की 2023 में मृत्यु के बाद उनके बेटे किंग चार्ल्स को गद्दी पर बैठाया गया था। ब्रिटेन के राजा के तौर पर उनकी औपचारिक ताजपोशी के कार्यक्रम में दुनियाभर के जाने-माने लोगों ने भाग लिया था। ताजपोशी के बाद अगली ही रात विंडसर महल में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट भी रखा गया था। इस पूरे कार्यक्रम में जमकर शानो-शौकत का प्रदर्शन किया गया। इसी खर्चे को लेकर लोग ब्रिटेन के शाही परिवार का विरोध कर रहे हैं। विरोधकर्ताओं का कहना है कि हमारा देश अभी महामारी के दौर से निकला है। हमारी सरकार लगातार आर्थिक मोर्चे पर संघर्ष कर रही है। लेकिन इसके बाद भी ऐसे कठिन समय में यह बेमतलब का खर्चा किया

जा रहा था। राजाशाही के विरोध में संगठन चलाने वाले ग्राहम स्मिथ ने सीएनएन से कहा कि जब ब्रिटेन में बच्चे स्कूल नहीं जा पर रहे हैं तो ऐसे समय में किस लोकतंत्र में शाही परिवार के ऊपर इतना पैसा खर्च किया जा सकता है। यह बहुत गलत है। राजशाही का विरोध करने वाले लोगों ने शाही परिवार को मिलने वाले लाभों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में राजा को जो रियायतें और लाभ दिए जाते हैं वह बहुत ज्यादा है। यूरोप में और भी देश हैं जो राजाशाही मानते हैं लेकिन वह अपने राजाओं और शाही परिवारों को ब्रिटेन के बराबर लाभ नहीं देते। ब्रिटेन के शाही परिवार को हाल ही में अपनी संपत्तियों को लेकर सवालों का सामना करना पड़ा था। परिवार के ऊपर आरोप लगा था कि वह सरकार से करों में छूट लेकर सार्वजनिक व्यापार से धन कमा रहे हैं।

शाही परिवार के साथ काम करने वाले एक प्रमुख सरकारी विभाग ने राज्याभिषेक के बारे बयान जारी करते हुए लिखा कि किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक के कार्यक्रम को सफलता पूर्वक पूरा गया था। इस कार्यक्रम में ब्रिटेन समेत दुनियाभर के कई लाखों लोगों ने देखा था। यह पीढ़ी में एक बार होने वाला क्षण है इसलिए इसे यादगार बनाना जरूरी है। इस कार्यक्रम की भव्यता को बढ़ाने के लिए सोने की गाड़ी का जुलूस निकाला गया और राजाशाही के आभूषणों का प्रदर्शन किया गया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वलसाड में B.Com की छात्रा के साथ हुए

रेप और मर्डर केस में पुलिस ने 11वें दिन आरोपी को गिरफ्तार गिरफ्तारी सीसीटीवी फुटेज के आधार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड में B.Com की छात्रा के साथ हुए रेप और मर्डर केस में पुलिस ने 11वें दिन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हुई। जांच में सामने आया कि आरोपी विदेशी कंपनी के जूते पहने हुए था, जिससे उसकी पहचान करना पुलिस के लिए आसान हो गया।

आरोपी के खिलाफ पहले से ही 10 से अधिक अपराध दर्ज हैं, जिससे यह साफ होता है कि वह एक शातिर अपराधी है। पुलिस ने इस मामले में सभी सबूत और वैज्ञानिक तकनीक का उपयोग किया, जिसके चलते इतनी बड़ी कामयाबी मिली।

छात्रा के साथ हुई यह घटना बेहद दर्दनाक और क्रूर थी, जिसने पूरे क्षेत्र को हिला कर रख दिया। इस केस में आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

वलसाड जिले के पारडी तालुका के मोतीवाला रेलवे फाटक के पास स्थित एक वाड़ी में 14 नवंबर को क्रष्टश्द्व सेकंड ईयर की छात्रा के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले में पुलिस ने 11वें दिन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने जब आरोपी को पकड़ा, तो उसने विदेशी कंपनी के 10,000 रुपये कीमत के जूते पहने हुए थे। हालांकि, जांच में यह संदेह है कि यह जूते भी उसने ट्रेन में किसी यात्री से चुराए थे।

इसके अलावा, यह भी सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ अलग-अलग पुलिस थानों में 10 से अधिक मामले दर्ज हैं। इस घटना ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया है, और आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

आरोपी वापी रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में नजर आया था।

विद्यार्थिनी के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोपी को पकड़ने के लिए 10 दिनों से पुलिस लगातार कोशिश कर रही थी। वापी रेलवे स्टेशन के फुटेज चेक करने पर पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। जब इस संदिग्ध की गहराई से जांच की गई, तो पता चला कि यह व्यक्ति बाहरी राज्य का हो सकता है। इस संभावना को देखते हुए, पुलिस ने राज्य के बाहर भी अपराधी को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू की।

हालांकि, अपराधी पुलिस की पकड़ से बचने में सफल हो गया। वापी रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध व्यक्ति के दिखने की पुष्टि होने के बाद, पुलिस ने रेलवे पुलिस की भी मदद ली। रेलवे पुलिस की टीम ने भी सतर्कता बरतते हुए लगातार निगरानी रखी, जिससे आखिरकार अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी संभव हो सकी।

पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

रविवार देर रात, वापी रेलवे स्टेशन के पार्किंग एरिया में सीसीटीवी फुटेज में दिखाई देने वाला संदिग्ध व्यक्ति, जो एक पैर से लंगड़ाकर चल रहा था, जीआरपी (रेलवे पुलिस) की टीम के हत्थे चढ़ गया। उसे पकड़ने के बाद वलसाड पुलिस को सौंपा गया। पूछताछ के दौरान, आरोपी ने दुष्कर्म और हत्या का अपराध स्वीकार कर लिया।

वलसाड पुलिस को पहले ही जानकारी मिल चुकी थी कि यह संदिग्ध व्यक्ति हरियाणा का रहने वाला है। पुलिस हरियाणा में उसकी तलाश के लिए गई थी, लेकिन वहां उसका कोई सुराग नहीं मिला। आरोपी के भागने का डर था, इसलिए पुलिस ने यह जानकारी गुप्त रखी और निजी तौर पर जांच जारी रखी। आखिरकार, रविवार रात को पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

आरोपी के खिलाफ 10 से अधिक अपराध दर्ज हैं।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी हरियाणा का मूल निवासी है और फिलहाल घुमंतु जीवन जी रहा था। उसकी आपराधिक प्रवृत्ति का आरंभ बचपन से हुआ, जब वह चौथी कक्षा में पढ़ाई करते समय पहली बार एक साइकिल की चोरी में शामिल हुआ। इसके बाद उसने चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों को अपनी आदत बना लिया।

विशेष रूप से, वह रात में ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों के महंगे सामान की चोरी करता था। गिरफ्तारी के समय, उसने एक विदेशी कंपनी के 10,000 रुपये कीमत के जूते पहने हुए थे। जांच में शक है कि ये जूते भी उसने किसी यात्री से ट्रेन में चुराए थे।

इसके अलावा, यह सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ अलग-अलग पुलिस थानों में 10 से अधिक मामले दर्ज हैं, जो उसके शातिर अपराधी होने की पुष्टि करता है।

घटना क्या थी ?

घटना के विवरण में जाएं तो वलसाड जिले के पारडी तालुका के उदवाड़ा रेलवे स्टेशन के पास मोतीवाला फाटक के पास रहने वाले एक श्रमिक परिवार की बीकॉम सेकंड ईयर में पढ़ने वाली छात्रा 14 नवंबर को ट्यूशन के लिए गई थी। लेकिन वह वापस घर नहीं लौटी।

परिवार ने उसकी तलाश शुरू की और इसी दौरान मोतीवाला फाटक के पास स्थित एक आम की बाड़ी में छात्रा की लाश संदिग्ध हालत में पाई गई। शव मिलने के बाद परिवार के सदस्य तुरंत छात्रा को इलाज के लिए पास के अस्पताल ले गए, लेकिन वहां मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

यह घटना बेहद चौंकाने वाली और दर्दनाक थी, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू की।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म और हत्या का खुलासा

घटना की जानकारी मिलने पर पारडी पुलिस की टीम ने तुरंत छात्रा के शव को कब्जे में लेकर पैनल पोस्टमार्टम के लिए सूरत भेजा। पैनल पोस्टमार्टम की प्रारंभिक रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि युवती के साथ दुष्कर्म किया गया और गला दबाकर उसकी हत्या की गई। इस खुलासे के बाद पारडी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

इस केस में वलसाड के एसपी करणराज वाघेला के मार्गदर्शन में डिप्टी एसपी ए.के. वर्मा और बी.एन. दवे के नेतृत्व में वलसाड की एलसीबी (लोकल क्राइम ब्रांच), एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप), और वलसाड जिला पुलिस की कुल 10 टीमें जांच में जुट गईं। इन टीमों ने मिलकर इस गंभीर मामले की तह तक पहुंचने के लिए तेजी से कार्रवाई की।

चालियों और GIDC में जांच की गई थी

पुलिस टीम ने घटना स्थल और आसपास की चालियों में रहने वाले लोगों की जांच शुरू की। लगभग 22 से अधिक चालियों में रहने वालों की उपस्थिति और अनुपस्थिति की सटीक जांच की गई। इस दौरान मुखबिरों से 10 से अधिक संदिग्ध व्यक्तियों की पुख्ता जानकारी जुटाई गई और आगे की जांच शुरू की गई।

साथ ही, पुलिस ने पारडी GIDC की कंपनियों में काम करने वाले मजदूरों की अनुपस्थिति का रिकॉर्ड खंगालना शुरू किया। घटना स्थल के पास स्थित रेलवे ट्रैक पर भी जांच के लिए GRP (रेलवे पुलिस) की अलग से मदद ली गई। रेलवे ट्रैक के पास से कुछ कपड़े और एक बैग बरामद हुए। पुलिस ने इन कपड़ों और बैग का इस्तेमाल करने वालों की पहचान और उनकी तलाश शुरू की।

इस व्यापक जांच के जरिए पुलिस ने संदिग्धों को चिन्हित करने और घटना की तह तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास किया।

नवसारी न्याय मंदिर परिसर में पेड़ों की कटाई पर विरोध

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी के न्याय मंदिर परिसर में हाल ही में कई पेड़ों की कटाई की गई, जिससे वकीलों में गहरी नाराजगी देखने को मिल रही है। वकीलों का मानना है कि ये पेड़ परिसर की प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखने के साथ पर्यावरण के लिए भी आवश्यक थे।

पेड़ों की कटाई का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन वकीलों का आरोप है कि यह प्रशासन द्वारा बिना उचित योजना और जानकारी के किया गया। कई वकीलों ने इसे पर्यावरणीय क्षति बताते हुए विरोध दर्ज कराया और न्यायालय प्रशासन से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है।

कुछ वकीलों ने कहा कि इस प्रकार के कार्य पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों के विपरीत हैं और प्रशासन को भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए। मामले ने स्थानीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है, और प्रशासन के जवाब का इंतजार किया जा रहा है।

पुलिस कर्मचारियों में गुस्सा

सातवें वेतन आयोग के अनुसार छुट्टी का वेतन न मिलने पर नाराजगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पुलिस कर्मचारियों के बीच सातवें वेतन आयोग के तहत छुट्टी के वेतन के भुगतान में देरी होने पर गुस्सा देखा जा रहा है। पुलिस कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें पिछले कई महीनों से उनकी छुट्टियों का वेतन नहीं मिला है, जो कि सातवें वेतन आयोग के तहत मिलने चाहिए थे।

यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है और कर्मचारियों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा इस मुद्दे पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। पुलिस कर्मचारियों का कहना है कि यह उनका हक है और उन्हें अपने अवकाश के दिनों के लिए वेतन मिलना चाहिए, जैसा कि वेतन आयोग में निर्धारित किया गया है।

विशाल श्री श्याम भजन संध्या का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, वेसु स्थित नंदिनी-1 अपार्टमेंट में रविवार को विशाल श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन नंदिनी-1 परिवार सेवा समिति द्वारा किया गया। इस मौके पर बाबा श्याम का आलौकिक दरबार सजाया गया। श्रृंगारित दरबार के समक्ष शाम सात बजे अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई उसके बाद भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार सुमित शोरेवाला, अर्चना अग्रवाल एवं अजित दाधीच ने भजनों एवं धमाल की प्रस्तुति दी। इस मौके पर छप्पन भोग, महाप्रसाद, पुष्पवर्षा आदि कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

भास्कर सीपीएल-3 का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, भास्कर सीपीएल -3 का आयोजन रविवार को वेसु स्थित पवेलियन बॉक्स क्रिकेट में किया गया। लीग में पाँच टीमों ने हिस्सा लिया। लीग की विजेता कल्पेश टीम एवं उपविजेता गुड्डु टीम रही। विजेताओं को ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। लीग में मैन ऑफ़ द सीरीज एवं बेस्ट बैट्समैन सार्थक चौधरी, बेस्ट बॉलर मनन राठी बने। इस मौके पर भास्कर ग्रुप के अशोक भावेश सोनथालिया सहित टिबड़ेवाल, सौरभ टिबड़ेवाल, अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

एक समय पर लूम्स के मशीन चलाने वाले ओडिशा के एक श्रमिक ने

अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से **ओडिशा सिविल सर्विस परीक्षा** पास कर प्रशासनिक अधिकारी बनने का सपना पूरा किया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

यह कहानी है धो. 12 के ड्रॉपआउट और ओडिशा के एक छोटे से गांव के रहने वाले एक व्यक्ति की, जो 2010 में रोजगार की तलाश में सूरत आए थे। सूरत में उन्होंने लूम्स के मशीन ऑपरेटर के रूप में काम किया। काम के दौरान उन्होंने कई चुनौतियों का सामना किया, लेकिन पढ़ाई जारी रखने और अपने जीवन को बेहतर बनाने का सपना कभी नहीं छोड़ा।

शिक्षा और परीक्षा की तैयारी

लूम्स पर काम करते हुए, उन्होंने पढ़ाई का सफर फिर से शुरू किया। अपने दृढ़ संकल्प और मेहनत से उन्होंने खुद को पढ़ाई के लिए तैयार किया और आखिरकार ओडिशा सिविल सर्विस परीक्षा पास की।

प्रेरणा का स्त्रोत

उनकी यह सफलता साबित करती है कि अगर मेहनत, लगन और सपने देखने का जज्बा हो, तो कोई भी इंसान अपनी परिस्थितियों को बदल सकता है।

संदेश

यह कहानी न केवल संघर्ष और सफलता की है, बल्कि यह उन सभी के लिए प्रेरणा है, जो किसी भी परिस्थिति में हार मानने के बजाय अपने सपनों को पूरा करने का साहस रखते हैं। अब, एक लूम्स श्रमिक से प्रशासनिक अधिकारी बनने तक का उनका सफर लोगों के लिए प्रेरणा बना हुआ है। अगर खुद पर विश्वास हो, तो सब कुछ संभव है, और मुश्किल हालात भी किसी को सफलता हासिल करने से रोक नहीं सकते। यह बात सूरत के विष्णु चरण नायक ने साबित की है।

एक समय था जब विष्णु लूम्स कारखाने में श्रमिक के रूप में काम कर रहे थे, लेकिन आज उन्होंने ओडिशा सिविल सर्विस परीक्षा पास कर वह उपलब्धि हासिल की है, जिसकी कल्पना करना भी अधिकांश लोगों के लिए मुश्किल है। वह हाथ, जो पहले लूम्स के मशीनों को चलाते थे, अब वही कलम पकड़कर जिला प्रशासन की जिम्मेदारी संभालेंगे।

आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण विष्णु ने 12वीं कक्षामें ही पढ़ाई छोड़ दी थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से ओडिशा सिविल सर्विस परीक्षा पास की। उनकी यह सफलता यह साबित करती है कि अगर किसी में आत्मविश्वास और मेहनत करने का जज्बा हो, तो किसी भी मुश्किल को पार किया जा सकता है।

विष्णु नायक जो मूल रूप से ओडिशा के गंजाम जिले के निवासी हैं, 2010 में रोजगार की तलाश में सूरत आए थे। उन्होंने अपने परिवार का पालन-पोषण करने के लिए सूरत में **5,000 रुपये की नौकरी** से शुरुआत की। इस कम आय में वह भाड़ा भरते, परिवार के साथ रहते और बच्चों की पढ़ाई का प्रबंध करते थे।

घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के बावजूद, उन्होंने लूम्स के कारखाने में काम किया। हालांकि, वह आजीवन इस नौकरी में काम नहीं करना चाहते थे। विष्णु के मन में हमेशा कुछ बड़ा करने का सपना था, और उन्होंने कड़ी मेहनत और शिक्षा के जरिए अपनी स्थिति को बदलने की ठानी। जब विष्णु नायक ओडिशा से सूरत आए थे, तब उन्होंने 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई पूरी नहीं की थी, क्योंकि घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, और उन्हें 12वीं छोड़नी पड़ी। फिर भी, उनकी अध्ययन की इच्छा उन्हें कभी नहीं रुकने दी।

सूरत आने के बाद, उन्होंने इग्नू (IGNOU) से 12वीं की परीक्षा दी और उसे पास किया। इसके बाद, फैक्ट्री में काम करते हुए उन्होंने बैचलर डिग्री प्राप्त की। फिर उन्होंने राजनीतिक विज्ञान में मास्टर डिग्री भी हासिल की। जब उन्होंने अपनी डिग्री पूरी कर ली, तो उन्होंने फैक्ट्री में काम करना बंद किया और नेट (नेट परीक्षा) की तैयारी शुरू की। इस परीक्षा को पास करके वे यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर बन गए।

विष्णु की यह सफलता यह साबित करती है कि कठिन परिस्थितियों में भी अगर इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उनकी जिज्ञासा ने उन्हें यहां भी रुकने नहीं दिया। इस दौरान उन्हें यह जानकारी मिली कि ओडिशा में सरकारी नौकरी के लिए एक विज्ञापन जारी हुआ है और वे इसके लिए योग्य हैं।

सूरत के खटोदरा क्षेत्र में एक बेटे ने अपनी जन्मी मां की निर्दयता से हत्या कर दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

खाने को लेकर हुए विवाद और झगड़े में बेटे ने अपनी 85 वर्षीय मां के सिर पर रसोई के दस्ते से हमला किया, जिसके कारण मां की मौत हो गई। सूरत के खटोदरा क्षेत्र के पंचशील इलाके में एक वृद्धा की हत्या की घटना के बारे में जानकारी मिलते ही, स्थानीय पुलिस और उच्च अधिकारियों ने घटना स्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस ने मां की हत्या करने वाले बेटे को गिरफ्तार कर लिया।

85 वर्षीय बंगाली वृद्धावन बिस्वाल अपनी बहू और बेटे के साथ रहते थे। बेटा और बहू दोनों ही मजदूरी का काम करते थे। वे मूल रूप से ओडिशा के गंजाम जिले के निवासी थे।

इस मामले में DCP विजय सिंह गुर्जर ने बताया कि, शाम को मृतक के बेटे ने ही उनकी हत्या की। बेटे ने रसोई के दस्ते से सिर पर हमला कर अपनी मां की हत्या कर दी। मृतक बेटे का नाम गांधी वृंदावन बिस्वाल है, जिसकी उम्र लगभग 40 से 50 साल के बीच है। वह और उसकी पत्नी यहां मजदूरी का काम करते हैं।